सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 281 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 25 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

श्रीमती रजनी अग्रवाल

प्रेरणा, सृजन और नवाचार की अमिट विरासत

कुछ व्यक्तित्व समय की सीमाओं में बंधकर नहीं रहते; वे अपने विचारों, कर्मों और मूल्यों के माध्यम से पीढ़ियों तक जीवित रहते हैं। श्रीमती रजनी अग्रवाल ऐसा ही एक प्रेरणास्पद व्यक्तित्व थीं, जिनका जीवन, कृतित्व और सृजन-दर्शन आज भी श्रीकंचनपथ के प्रत्येक पृष्ठ, प्रत्येक विचार और प्रत्येक प्रयास में स्पंदित होता है। यह समाचार पत्र केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि उनके स्वप्न, संकल्प और जीवन-दृष्टि का सजीव प्रतिबिंब है।

रचनाधर्मिता को उन्होंने केवल अपनी आजीविका नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च साध्य और साधना माना। उनके लिए सृजन निरंतर प्रवाहित होने वाली वह जीवनधारा था, जो समाज को नई दिशा, नई चेतना और नई ऊर्जा प्रदान करती है। वे दृढ़ विश्वास के साथ कहा करती थीं— ठहरा हुआ तो पानी भी खराब हो जाता है; इसलिए जीवन में निरंतर कुछ नया करते रहना चाहिए। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि उनके संपूर्ण जीवन का मूल मंत्र था।

वे अक्सर कहा करती थीं कि पहले किसी ने नहीं किया या किसी ने ऐसा नहीं सोचा जैसी बातें किसी भी सृजनशील मन के लिए भय का कारण नहीं, बल्कि नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाली प्रेरणा होनी चाहिए। उनका विश्वास था कि जो व्यक्ति या संस्था समय से आगे बढ़कर नए विचारों को अपनाने और नई राह बनाने का साहस करती है, सफलता उसी के कदम चूमती है। परिवर्तन को स्वीकार करना और नवाचार का साहस करना ही विकास का वास्तविक मार्ग है।

इन्हीं आदर्शों को अपना पथप्रदर्शक बनाकर श्रीकंचनपथ परिवार ने सदैव नवीन सोच, रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों को अपनी कार्यशैली का आधार बनाया है। पिछले सोलह वर्षों की हमारी यात्रा इस बात की साक्षी है कि प्रत्येक नई पहल को हमारे पाठकों, शुभचिंतकों और सहयोगियों ने न केवल स्वीकार किया, बल्कि उसे अपना स्नेह, विश्वास और अपार सहयोग भी प्रदान किया। यही विश्वास हमारी सबसे बड़ी शक्ति बना और इसी ने हमें निरंतर नए क्षितिजों की ओर अग्रसर होने का साहस दिया।

आज जब हम इस गौरवपूर्ण यात्रा की ओर दृष्टिपात करते हैं, तो अनुभव होता है कि श्रीमती रजनी अग्रवाल की प्रेरणा हमारे प्रत्येक कदम में, प्रत्येक निर्णय में और प्रत्येक नए प्रयास में आज भी जीवंत है। उनका सृजन-दर्शन हमारे लिए केवल स्मृति नहीं, बल्कि एक सतत् संकल्प है— ऐसा संकल्प, जो हमें निरंतर आगे बढ़ने, नवीनता को अपनाने और समाज के प्रति अपनी रचनात्मक प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त बनाने की प्रेरणा देता रहेगा। उनकी अमूल्य विरासत, उनके आदर्श और उनकी सृजनशील चेतना सदैव हमारे पथ को आलोकित करती रहेगी। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि और उनके सपनों को साकार करने का हमारा अटूट संकल्प है।

- राजेश अग्रवाल

दुर्ग में मिला दुर्लभ श्वेतवर्णी करैत, सुरक्षित रेस्क्यू के बाद प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन की दिशा में छत्तीसगढ़ को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। दुर्ग वनमंडल के चरौदा क्षेत्र के पंचशील नगर में एक घर से मिले अत्यंत दुर्लभ श्वेतवर्णी करैत सर्प बरामद किया गया। वन विभाग की तत्परता और सर्प विशेषज्ञों की मदद से इस दुर्लभ सर्प का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे राजनांदगांव वनमण्डल में छोड़ा गया।

वनमण्डाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 जुलाई को पंचशील नगर स्थित एक घर में सफेद रंग का सांप होने की सूचना वन विभाग को मिली। सूचना पर दुर्ग वनमंडल की टीम और सर्प रेस्क्यूअर विजय शर्मा मौके पर पहुंचे तथा सावधानीपूर्वक सर्प का रेस्क्यू किया। प्रारंभिक जांच में यह अत्यंत दुर्लभ श्वेतवर्णी करैत सर्प पाया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि शरीर में रंगद्रव्य (मेलानिन) की कमी के कारण उत्पन्न होने वाली आनुवंशिक अवस्था को ल्यूसिज्म कहा जाता है।

श्वेतवर्णी करैत का मिलना अत्यंत दुर्लभ

इस करैत का रंग सामान्य काले-पीले की बजाय सफेद दिखाई देता है। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रकार के श्वेतवर्णी करैत का मिलना अत्यंत दुर्लभ माना गया है। दक्षिण एशिया में इसके मिलने के बहुत कम अभिलेख दर्ज हैं। भारत में महाराष्ट्र और ओडिशा तथा नेपाल के कुछ क्षेत्रों में ही इसके मिलने की जानकारी उपलब्ध है।

राजनांदगांव वनमंडल के प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया

सर्प विशेषज्ञों द्वारा श्वेतवर्णी करैत की पुष्टि की गई। इसके बाद दुर्ग वनमंडलाधिकारी दिपेश कपिल के निर्देशानुसार 23 जुलाई को दुर्ग के आरए प्रमोद यादव, सर्प मित्र विजय शर्मा एवं सर्प विशेषज्ञ अविनाश मौर्या की टीम ने इस दुर्लभ सर्प को राजनांदगांव वनमंडल के आरएफ 549 स्थित प्राकृतिक पर्यावास में सुरक्षित रूप से छोड़ा गया।

छत्तीसगढ़ में लागू होगा यूसीसी : सीएम साय बोले- शीतसत्र में पास कराएंगे बिल

■ सरकार ने हाईलेवल कमेटी का किया गठन, पहली बैठक भी हुई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर कवायद तेज हो गई है। इस संबंध में प्रदेश के मुखिया सीएम विष्णुदेव साय ने एलान किया है कि आगामी विधानसभा के शीतकालीन सत्र में यूसीसी विधेयक पास करायेंगे। इसके लिए गठित हाई लेवल कमेटी ने भी अपनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुक्रवार को उसकी पहली बैठक हुई है।

राज्य सरकार ने यूसीसी के अध्ययन और सुझावों के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित की है। यह समिति विभिन्न समुदायों के व्यक्तिगत कानूनों का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। इस संबंध में

सरकार का कहना है कि यूसीसी लागू होने पर विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और भरण-पोषण जैसे मामलों में सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून लागू होगा।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

सरकार की तैयारी के बीच दूसरी ओर कांग्रेस ने राज्य सरकार के फैसले पर सवाल उठाए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आदिवासी समाज की अपनी परंपराएं, रीति-रिवाज और सामाजिक व्यवस्था है। ऐसे में बिना व्यापक चर्चा कराये और सहमति के यूसीसी लागू करना ठीक नहीं होगा। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार आदिवासी हितों की अनदेखी कर रही है। ऐसे में प्रदेश में यूसीसी को लेकर सरकार और विपक्ष आमने-सामने हो गये हैं।

उत्तराखंड के बाद छत्तीसगढ़ में बढ़ी राजनीतिक हलचल

बता दें कि उत्तराखंड के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी यूसीसी को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सरकार इसे समानता और एक देश-एक कानून की दिशा में बड़ा कदम बता रही है, जबकि विपक्ष इसे आदिवासी अधिकारों और परंपराओं से जुड़ा संवेदनशील विषय मान रहा है। सीएएम साय के बयान के बाद अब सभी की नजरें आगामी शीतकालीन विधानसभा सत्र पर हैं, जहां यूनिफॉर्म सिविल कोड विधेयक पेश होने की उम्मीद है।

हर घर तिरंगा अभियान की केंद्रीय समिति में शामिल हुए अनुराग सिंह देव, सांसद रूपकुमारी को भी मिली जगह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी 'हर घर तिरंगा' एवं 'तिरंगा यात्रा' अभियान के सफल संचालन, समन्वय एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित केंद्रीय समिति में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उनके साथ महासमुंद सांसद एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी को भी समिति में स्थान मिला है।

यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है तथा प्रदेश में संगठनात्मक नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित कार्यशैली का सम्मान है। केंद्रीय समिति का संयोजन भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री अरुण सिंह के नेतृत्व में किया जाएगा, जिसमें कई वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल हैं।

11 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक देशभर में आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' एवं 'तिरंगा यात्रा' अभियान के अंतर्गत घर-घर तिरंगा फहराने, तिरंगा यात्राएं निकालने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अनुराग सिंह देव का केंद्रीय समिति में चयन निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ की सक्रिय भागीदारी को और सशक्त बनाएगा।

छत्तीसगढ़ में 2 दिन जमकर बरसेंगे बादल : भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय बना हुआ है। पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक दिन का तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस रायपुर और दुर्ग में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रहा। अगले 48 घंटे प्रदेश के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ के अलग-अलग स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान गरज-चमक और तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 1 जून से अब तक हुई कुल बारिश सामान्य श्रेणी में है। हालांकि, औसत से 18 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में पहला मेडल झंडू कुमार को पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज

नईदिल्ली ए.। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने पहला मेडल जीत लिया है। बिहार के पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हेवीवेट वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 190 किलोग्राम की बेस्ट लिफ्ट के साथ 130.9 अंक हासिल किए।

इससे पहले पुरुष और महिला लाइटवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत मेडल से चूक गया था। वहीं बॉक्सिंग में जादुमणि सिंह ने जीत के साथ राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई। लॉन बॉल्स में पुतुल सोनोवाल ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

28 साल के झंडू कुमार ने ग्रुप-बी से खेलते हुए पहले प्रयास में 181 किलोग्राम और दूसरे प्रयास में 190 किलोग्राम वजन उठाया। इससे उन्हें 130.9 अंक मिले। तीसरे प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम उठाकर बर्मिंघम 2022 का गेम्स रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद उनका स्कोर ब्रॉन्ज मेडल के लिए पर्याप्त रहा। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने गोल्ड और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने सिल्वर जीता।

सरकार के आश्वासन पर अतिथि शिक्षकों की हड़ताल खत्म

■ मांगें पूरी न होने पर सड़क पर उतरने की दी चेतावनी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग-भिलाई में अतिथि शिक्षकों ने सरकार से आश्वासन मिलने पर शुक्रवार को अपनी हड़ताल खत्म की। हालांकि अतिथि शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि अगर पांच सितंबर 2026 तक उनकी मांगों पर ठोस फैसला नहीं लिया गया, तो वे फिर से प्रदेशव्यापी आंदोलन करेंगे।

अतिथि शिक्षक संघ ने कहा कि साल 2016 से मिल रहा मानदेय आज की महंगाई के दौर में बेहद कम है। शिक्षकों ने दावा करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। लेकिन इसके बावजूद उन्हें नियमित शिक्षकों की तुलना में बेहद कम वेतन मिल रहा है। नियमित शिक्षकों को एक लाख, स्वामी आत्मानंद स्कूलों में 38 हजार मिलते हैं। वहीं अतिथि शिक्षकों को महज 20 हजार रुपए मिल रहे हैं, जो नाकाफी है।

शिवनाथ नदी के पास बर्थडे पार्टी मनाना पड़ा भारी, तेज बहाव में बह गए दो दोस्त, एक का शव मिला दूसरे की तलाश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । दुर्ग जिले के गनियारी-पिपरछेड़ी के पास शिवनाथ नदी में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। दोस्तों के साथ जन्मदिन की खुशियां मनाने पहुंचे दो किशोर नहाने के दौरान नदी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए। एसडीआरएफ दुर्ग की टीम ने कठिन मशक्कत और डीप डाइविंग के बाद एक 14 वर्षीय बालक का शव बरामद कर लिया है। मृतक बालक रेहान खान पिता नदीम खान (14 वर्ष) वाम्बे आवास उरला दुर्ग का रहने वाला है। जबकि दूसरे लापता बालक की तलाश में बड़े पैमाने पर रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार 24 जुलाई की शाम लगभग 4 बजे वाम्बे आवास उरला दुर्ग के रहने वाले आठ दोस्तों का

एक समूह शिवनाथ नदी के किनारे अपने साथी का जन्मदिन मनाने पहुंचा था। जश्न के दौरान माहौल खुशनुमा था, लेकिन तभी दो साथी नदी में नहाने के लिए उतरे। उस समय बारिश के मौसम के कारण नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ था और पानी का बहाव बेहद तेज था। देखते ही देखते दोनों किशोर तेज धार की चपेट में आकर बहने लगे और गहरे पानी में समा गए। अपने दो दोस्तों को आँखों के सामने डूबता देख किनारे पर मौजूद बाकी छह लड़कों में खौफ पसर गया। शुरुआती घबराहट और डर के कारण लड़कों ने पहले खुद ही अपने स्तर पर नदी के किनारे और आसपास के इलाकों में दोनों की खोजबीन शुरू की। लेकिन जब काफी देर तक उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत परिजनों को खबर दी।

परिजनों द्वारा पुलिस और प्रशासन को सूचित करने के बाद एसडीआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। हालांकि, रात का अंधेरा घिर जाने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में काफी दिक्कतें आईं और अभियान को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। शनिवार सुबह होते ही एसडीआरएफ की टीम ने गोताखोरों की मदद से पुन: शिवनाथ नदी में डीप डाइविंग सर्च ऑपरेशन शुरू किया। घंटों की मेहनत के बाद टीम ने एक बालक का शव गहरे पानी से बाहर निकाल लिया। मृतक बालक की पहचान रेहान खान पिता नदीम खान के रूप में हुई है। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। समाचार लिखे जाने तक एसडीआरएफ की टीम बोट और गोताखोरों के माध्यम से दूसरे लापता बालक की तलाश में जुटी हुई है। रेस्क्यू टीम में जिला सेनानी दिनेश कुमार रावटे के निर्देश पर प्रभारी धनीराम यादव, जवान भूपेन्द्र सिंह, चंद्रप्रताप, राजकुमार यादव आदि शामिल रहे।

संपादकीय

खतरे में दिल

जागरूकता-शुरुआती उपचार नियंत्रण में मददगार

अब वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि हृदय रोग व्यक्ति को बुढ़ापे में ही गिरफ्त में लेता है। हाल के दिनों में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं कि उत्तर भारत में बड़ी संख्या में युवा दिल की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। निश्चय ही यह स्थिति इस क्षेत्र में बीमारियों के बदलते पैटर्न की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। दरअसल, पंजाब व हरियाणा के युवाओं के बाबत आई हालिया रिपोर्ट ने इस गंभीर संकट की हकीकत को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के युवाओं को दिल के बेहतर इलाज की जरूरत लगातार बढ़ रही है। दूसरी तरफ हरियाणा में बढ़ते टेली-ईसीजी नेटवर्क ने यह दर्शाया है कि शुरुआती चरण में रोग का पता चलने से कैसे अधिक से अधिक जानें बचायी जा सकती हैं। निश्चय ही ये स्थितियां बताती हैं कि उत्तर भारत में बढ़ती इस चुनौती के मुकाबले के लिये तुरंत गंभीर प्रयासों की जरूरत है। दरअसल, हृदय रोग के इस संकट के मूल में हमारी जीवनशैली में आ रहे बदलावों की बड़ी भूमिका है। जिसमें शारीरिक सक्रियता में आई लगातार कमी का भी बड़ा रोल है। वहीं कसरत व खेल गतिविधियों में कमी, प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन, तंबाकू व नशीले पदार्थों की लत, व्यक्ति के जीवन में लंबे समय तक रहने वाला तनाव, पर्याप्त नींद न लेना और कम उम्र में ही मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से मिलकर एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आज बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है जो लंबी सिटिंग में पढ़ाई करते हैं, कार्यस्थल पर लगातार काम करते हैं व स्क्रीन पर लगातार घंटों बिताते हैं। वे शारीरिक सक्रियता, कसरत,योग व मनोरंजन के लिये बहुत कम समय दे पाते हैं। वहीं पढ़ाई का दबाव, बेरोजगारी का तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण होने वाला मानसिक तनाव दिल की बीमारियों के खतरे को और अधिक बढ़ा देता है। लेकिन आम लोग इस तनाव व उच्च रक्तचाप आदि को गंभीरता से नहीं लेते।

“दरअसल, पंजाब व हरियाणा के युवाओं के बाबत आई हालिया रिपोर्ट ने इस गंभीर संकट की हकीकत को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के युवाओं को दिल के बेहतर इलाज की जरूरत लगातार बढ़ रही है। दूसरी तरफ हरियाणा में बढ़ते टेली-ईसीजी नेटवर्क ने यह दर्शाया है कि शुरुआती चरण में रोग का पता चलने से कैसे अधिक से अधिक जानें बचायी जा सकती हैं। निश्चय ही ये स्थितियां बताती हैं कि उत्तर भारत में बढ़ती इस चुनौती के मुकाबले के लिये तुरंत गंभीर प्रयासों की जरूरत है। दरअसल, हृदय रोग के इस संकट के मूल में हमारी जीवनशैली में आ रहे बदलावों की बड़ी भूमिका है।

विडंबना यह है कि हम उन तमाम शुरुआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो दिल की बीमारियों की आहट देते हैं। इन लक्षणों में शामिल सांस का फूलना, अत्यधिक थकान व सीने का दर्द तक की अनदेखी कर दी जाती है। समाज में आज भी यह धारणा बनी हुई है कि दिल की बीमारी तो बुजुर्गों का रोग होता है। सही मायने में आज समाज में उपचार से पहले व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। ऐसे में अस्पतालों के जरिये पब्लिक हेल्थ सिस्टम को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर रक्तचाप, रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच को स्वास्थ्य कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। साथ ही जन-जागरण अभियान के माध्यम से युवाओं को शुरुआती लक्षणों को पहचानने और चिकित्सा मदद लेने के बारे में प्रेरित किया जाना चाहिए। सही मायने में पौष्टिक भोजन लेने, शारीरिक सक्रियता व मानसिक स्वास्थ्य को भी नीतिगत स्तर पर उतनी प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जितनी देश में संक्रामक बीमारियों को दी जाती है। इस अभियान में अब तकनीक व कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जा सकता है। टेलीमेडिसिन के जरिये दूर से ईसीजी कराने और बेहतर आपातकालीन रेफरल सिस्टम के जरिये गांवों और छोटे कस्बों तक विशेषज्ञ देखभाल की सुविधा पहुंचाई जा सकती है। जिसके जरिये यह सुनिश्चित किया जाए कि इलाज संवेदनशील ‘गोल्डन आवर’ के दौरान ही शुरू हो जाए। ऐसी अभिनव पहल हमारी बचाव की रणनीति का हिस्सा बननी चाहिए। सही मायने में हृदय रोग के खिलाफ लड़ाई ‘पहले हार्ट अटैक’ से काफी पहले शुरू हो जानी बेहतर है। हाल के वर्षों में देश में योग व प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार के जरिये सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। योग जहां हमारे शारीरिक स्वास्थ्य में मददगार है, वहीं मानसिक तनाव घटाने में बेहद कारगर साबित हुआ है। दिल्ली स्थिति एम्स व पीजीआईएमआर में बाकायदा योग पर व्यापक शोध कार्य हुआ है और उसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। दरअसल, योग के जरिये हम संयमित रहते हैं और जीवनशैली से जुड़े तमाम रोगों से मुक्ति पा सकते हैं।

न्याय नहीं, प्रतिशोध का माध्यम बनते कार्यस्थल

डॉ. रितु सारस्वत

अंतत: प्रश्न केवल वैवाहिक विवादों का नहीं, बल्कि उस सामाजिक मर्यादा का है जो न्याय और प्रतिशोध के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखती है। यदि निजी संघर्ष सार्वजनिक प्रतिष्ठा को नष्ट करने का माध्यम बनने लगें, तो यह केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता की परीक्षा बन जाता है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने वैवाहिक विवादों के एक चिंताजनक पक्ष पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत-पत्र भेजने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। न्यायालय ने कहा कि ऐसी शिकायतों के परिणामस्वरूप कई बार संबंधित व्यक्ति की नौकरी चली जाती है या उसका सेवा-जीवन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। न्यायालय के अनुसार, तलाक का मुकदमा लड़ना एक अलग बात है, किंतु किसी व्यक्ति की आजीविका और पेशेवर प्रतिष्ठा को संकट में डाल देना कहीं अधिक गंभीर है। यदि किसी व्यक्ति की नौकरी ही समाप्त हो जाए, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव भरण-पोषण (मेंटेनेंस) जैसे वैधानिक दायित्वों पर भी पड़ सकता है।

पिछले पांच दशकों में विभिन्न उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अप्रमाणित अथवा मानहानिकारक शिकायतें करना केवल व्यक्तिगत प्रतिशोध का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सेवा-जीवन और आजीविका पर भी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालयों ने समय-समय पर ऐसे आचरण को मानसिक क्रूरता के दृष्टिकोण से परखा है तथा परिस्थितियों के अनुसार इसे वैवाहिक संबंध-विच्छेद का आधार भी माना है। इस संबंध में सबसे प्रारंभिक और उल्लेखनीय निर्णयों में से एक ‘शकुंतला कुमारी बनाम ओम प्रकाश घई’ (दिल्ली उच्च न्यायालय, 1980) का है।

इस मामले में अलग रह रही पत्नी ने लोकसभा सचिवालय, जहां उसका पति कार्यरत था, को पत्र लिखकर उस पर दुर्व्यवहार तथा अन्य गंभीर आरोप लगाए। न्यायालय ने पाया कि यदि पत्नी का उद्देश्य केवल भरण-पोषण प्राप्त करना था, तो उसके लिए यह

कहना पर्याप्त था कि उसे भरण-पोषण नहीं मिल रहा है। इसके लिए पति तथा उसके परिवार के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाने की आवश्यकता नहीं थी। न्यायालय ने इस प्रकार की शिकायतों के प्रभाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, ‘नियोक्ता के समक्ष इस प्रकार की असत्य शिकायत करना निस्संदेह मानसिक क्रूरता है। इससे कर्मचारी की अपने नियोक्ता की दृष्टि में प्रतिष्ठा धूमिल होती है तथा उसके सेवा-जीवन और पदोन्नति की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। स्वाभाविक रूप से इसका उसके मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है और उसकी मानसिक शांति भंग होती है।’

प्रश्न केवल इतना नहीं है कि न्यायालयों ने इस प्रकार के आचरण को मानसिक क्रूरता क्यों माना। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि व्यक्तिगत संबंधों में उत्पन्न विवाद किस प्रकार उस सीमा तक पहुंच जाते हैं, जहां व्यक्ति न्याय की अपेक्षा दूसरे को अधिकतम क्षति पहुंचाने का माध्यम खोजने लगता है। जब संघर्ष का उद्देश्य समाधान के स्थान पर दूसरे व्यक्ति की प्रतिष्ठा, आजीविका अथवा पेशेवर जीवन को प्रभावित करना बन जाए, तब यह केवल वैवाहिक विवाद नहीं रह जाता, बल्कि मानवीय संबंधों के नैतिक पतन का भी संकेत देता है।

इसी संदर्भ में रॉबर्ट होगन का ‘सामाजिक-विश्लेषणात्मक सिद्धांत’ महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। उनके अनुसार व्यक्ति केवल अपनी एक पहचान नहीं बनाता, बल्कि समाज भी उसके व्यवहार और कार्य के आधार पर उसके प्रति एक धारणा विकसित करता है। यही धारणा समय के साथ उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बनती है। इसलिए जब व्यक्तिगत संबंधों का संघर्ष किसी व्यक्ति की पेशेवर प्रतिष्ठा को लक्ष्य बनाता है, तो उसका प्रभाव केवल वर्तमान विवाद तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वर्षों में अर्जित विश्वास और सामाजिक स्वीकार्यता पर भी पड़ता है।

ऐसी परिस्थितियों में सबसे बड़ी विडंबना यह होती है कि आरोपों की सत्यता का परीक्षण बहुत बाद में होता है, जबकि उनके आधार पर बनने वाली सामाजिक धारणा तत्काल अपना प्रभाव छोड़ने लगती है। कार्यस्थल पर पहुंचा व्यक्तिगत विवाद व्यक्ति को ऐसी स्थिति में खड़ा कर देता है, जहां उसे उन घटनाओं के लिए भी संकोच, असहजता और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है जिनका उसके पेशेवर दायित्वों से कोई संबंध नहीं होता। वह स्वयं को असहाय अनुभव करता है, क्योंकि एक ओर न्यायिक प्रक्रिया अपनी गति से चल रही होती है, वहीं दूसरी ओर उसके सहकर्मी, वरिष्ठ अधिकारी और सामाजिक परिवेश उसके बारे में अपनी-अपनी धारणाएं बनाने लगते हैं। यही कारण है कि ऐसी शिकायतों का प्रभाव केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी पड़ता है। यहीं व्यक्तिगत संबंधों की मर्यादा का सबसे कठिन परीक्षण भी होता है।

संबंधों में मतभेद होना अस्वाभाविक नहीं है और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाना भी प्रत्येक व्यक्ति का वैधानिक अधिकार है। किंतु जब संघर्ष का उद्देश्य न्याय प्राप्त करने के स्थान पर दूसरे व्यक्ति को अधिकतम सामाजिक, आर्थिक या पेशेवर क्षति पहुंचाना बन जाए, तब वह अधिकारों के प्रयोग से आगे बढ़कर प्रतिशोध की मानसिकता का रूप लेने लगता है। किसी भी सभ्य समाज में यह अपेक्षा की जाती है कि संबंध समाप्त हो सकते हैं, परंतु मानवीय मर्यादा समाप्त नहीं होनी चाहिए। व्यक्तिगत विवाद चाहे कितने ही गहरे क्यों न हों, वे हमें इस स्तर तक नहीं ले जाने चाहिए कि हम किसी व्यक्ति की वर्षों की मेहनत से अर्जित प्रतिष्ठा और आजीविका को ही संघर्ष का सबसे आसान लक्ष्य बना दें।

फ्रेडरिक नीत्शे के दर्शन में ‘रेसांतिमां’ की अवधारणा इस प्रवृत्ति को समझने का एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। नीत्शे के अनुसार जब व्यक्ति के भीतर दबी हुई कटुता और प्रतिशोध की भावना लंबे समय तक बनी रहती है, तो वह उसके नैतिक निर्णयों और व्यवहार को भी प्रभावित करने लगती है। ऐसी स्थिति में संघर्ष का उद्देश्य न्यायपूर्ण समाधान नहीं रह जाता, बल्कि दूसरे व्यक्ति को अधिकतम क्षति पहुंचाना बन जाता है। ठीक इसी प्रकार जब पारिवारिक विवाद न्यायालय की प्रक्रिया तक सीमित रहने के बजाय किसी व्यक्ति की पेशेवर प्रतिष्ठा, आजीविका और कार्यस्थल तक पहुंचने लगते हैं, तो वह केवल दो व्यक्तियों के बीच का विवाद नहीं रह जाता। यह इस बात का संकेत है कि संघर्ष समाधान की सीमा लांघकर प्रतिशोध की दिशा में बढ़ चुका है। ऐसी प्रवृत्ति को सामान्य वैवाहिक मतभेद का स्वाभाविक विस्तार नहीं माना जा सकता, क्योंकि इसका प्रभाव व्यक्ति के जीवन के उस क्षेत्र पर पड़ता है, जिसका मूल विवाद से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता।

हन्ना आरेंट ने अपनी पुस्तक ‘द ह्यूमन कंडीशन’ में निजी और सार्वजनिक जीवन के बीच स्पष्ट विभाजन को एक सभ्य समाज की अनिवार्य शर्त माना है। उनके अनुसार व्यक्तिगत जीवन के संघर्ष जब सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश करने लगते हैं, तो उनका प्रभाव केवल संबंधित व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सामाजिक विश्वास और सार्वजनिक जीवन की मर्यादा भी प्रभावित होती है।

वैवाहिक विवादों का कार्यस्थल तक पहुंचना इसी मर्यादा के क्षरण का संकेत है, जहां निजी संघर्ष सार्वजनिक प्रतिष्ठा को आघात पहुंचाने का माध्यम बन जाते हैं। अंतत: प्रश्न केवल वैवाहिक विवादों का नहीं, बल्कि उस सामाजिक मर्यादा का है जो न्याय और प्रतिशोध के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखती है। यदि निजी संघर्ष सार्वजनिक प्रतिष्ठा को नष्ट करने का माध्यम बनने लगें, तो यह केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता की परीक्षा बन जाता है।

लेखिका समाजशास्त्री हैं।

वाहनों के हिसाब से पार्किंग के विकास की चुनौती

विवेक शर्मा

देश में वाहनों की तादाद जिस तेजी से बढ़ी उसके मुताबिक बुनियादी ढांचे का विकास नहीं हो सका। रिहायशी इलाके के अलावा पार्किंग की दिक्कत अस्पतालों, मार्केट्स व दफ्तरों में भी है। वहीं अवैध पार्किंग आवाजाही में बाधा है। इसका समाधान बेहतर शहरी नियोजन के अलावा प्रभावी क्रियान्वयन में भी है। नई गाड़ी खरीदना पहले कभी इतना आसान नहीं था, लेकिन उसे सुरक्षित जगह पर खड़ा करना शायद पहले कभी इतना मुश्किल भी नहीं था। बैंक के आसान ऋण और आकर्षक ईएमआई ने कार को हर मध्यमवर्गीय परिवार की पहुंच में ला दिया है। विडंबना यह है कि कार खड़ी करने की जगह अब बची ही नहीं है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, मई 2026 तक देश में 42.09 करोड़ से अधिक मोटर वाहन पंजीकृत थे। दूसरी ओर, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के अनुसार केवल जून 2026 में 25.57 लाख वाहनों की बिक्री हुई। इसके बावजूद शहरों का बुनियादी ढांचा इस रफ्तार का साथ नहीं दे पा रहा। नतीजा यह है कि आज कई शहरों में वाहन चलाने से अधिक कठिन उसे सुरक्षित खड़ा करना हो गया है। रात के दस बज रहे हैं। दफ्तर से लौटा एक व्यक्ति आधे घंटे से अपनी ही कॉलोनी में गाड़ी खड़ी करने की जगह तलाश रहा है। गली के कई चक्कर लगाने के बाद भी जगह न

मिलने पर उसे वाहन मुख्य सड़क किनारे खड़ा करना पड़ता है। सुबह तक यही चिंता सताती रहती है कि कहीं पुलिस चालान न कर दे या गाड़ी को कोई नुकसान न पहुंच जाए। यह दृश्य अब किसी एक महानगर का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश शहरों की रोजमर्रा की हकीकत बन चुका है।

रिहायशी कॉलोनियों में यह संकट सबसे गंभीर रूप में दिखाई देता है। घरों के बाहर रखी ईंटें, बाल्टियां, गमले या टूटी कुर्सियां अब ‘आरक्षित पार्किंग’ के स्वघोषित संकेत बन चुके हैं। वर्षों पुराने पड़ोसी भी केवल पार्किंग के मुद्दे पर आमने-सामने आ जाते हैं। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठकों में विकास से अधिक पार्किंग विवादों की चर्चा होती है और कई मामले थानों तक पहुंच जाते हैं। पार्किंग अब केवल जगह का नहीं, बल्कि सामाजिक रिश्तों और नागरिक अनुशासन की परीक्षा का विषय बन चुकी है।

सार्वजनिक स्थानों पर स्थिति और भी चिंताजनक है। अस्पतालों में मरीज को मुख्य द्वार पर उतारकर तीमारदार को वाहन खड़ा करने के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता है। दुर्घटना या गंभीर बीमारी के ‘गोल्डन आवर’ में इलाज में होने वाली देरी कई बार प्राणघातक साबित होती है। बाजारों में सप्ताहांत पर लोगों का काफी समय पार्किंग तलाशने में ही निकल जाता है। सड़क किनारे आड़ी-तिरछी खड़ी गाड़ियों के कारण कई बार एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड के वाहन संकरी गलियों में समय पर नहीं पहुंच पाते।

असल समस्या केवल वाहनों की बढ़ती संख्या नहीं, बल्कि नीतिगत कमियां और शहरी नियोजन की कमजोरियां भी हैं। राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) नई परियोजनाओं में पार्किंग का प्रावधान अनिवार्य करती है, लेकिन पुराने शहरों में पर्याप्त पार्किंग विकसित नहीं हो सकी। जिन नए भवनों में ‘स्टिल्ट पार्किंग’ अनिवार्य की गई, वहां भी कई लोगों ने अवैध निर्माण कर लिए। सड़कें संकरी होती जा रही हैं और फुटपाथ अवैध पार्किंग की चपेट में हैं। इसका सबसे बड़ा खमियाजा पैदल चलने वालों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ता है।

दुनिया के कई देशों ने इस चुनौती का समाधान समय रहते तलाश लिया। जापान में कार खरीदने से पहले निजी पार्किंग (गैराज) का प्रमाण देना अनिवार्य है। सिंगापुर में कार रखना इतना महंगा है कि लोग सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देते हैं। भारत के कई शहरों में भी बहुमंजिला और स्मार्ट पार्किंग विकसित की गई है, लेकिन कई स्थानों पर उनका अपेक्षित उपयोग नहीं हो रहा। इसकी एक वजह लोगों की यह मानसिकता भी है कि वे सुरक्षित पार्किंग के लिए शुल्क देने के बजाय सड़क पर मुफ्त में वाहन खड़ा करना अपना अधिकार मानते हैं।

समस्या का स्थायी समाधान केवल नई पार्किंग इमारतें बनाना नहीं है। इसके लिए प्रभावी प्रबंधन, सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर सख्त जुर्माना तथा मेट्रो, सिटी बसों और अन्य भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का विस्तार जरूरी है। साथ ही, नई आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में पार्किंग संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा। पार्किंग को भवन निर्माण की औपचारिक शर्त नहीं, बल्कि शहरी बुनियादी ढांचे का अनिवार्य हिस्सा मानना होगा।

विकास और आधुनिकता का पैमाना केवल चमचमाते फ्लाईओवरों, चौड़ी सड़कों और उन पर दौड़ती निजी गाड़ियों से तय नहीं हो सकता। हमने ईएमआई पर कार खरीदकर ‘स्टेटस सिंबल’ तो हासिल कर लिया, लेकिन अपने ही मोहल्लों में सुकून से पैदल चलने की जगह गंवा दी। यदि अब भी पार्किंग को शहरी नियोजन के केंद्र में नहीं रखा गया, तो हमारे शहर धीरे-धीरे वाहनों के कबाड़खाने में तब्दील होते जाएंगे। वह दिन दूर नहीं, जब कोई नया वाहन घर लाने पर लोग यह नहीं पूछेंगे कि गाड़ी कौन-सी है या कितने रुपयों की खरीदी, बल्कि पहला सवाल यही होगा ‘भाई साहब, बधाई हो... लेकिन इसे खड़ी कहां करेंगे?’

परेशान करने वाली है नादानी की कहानी

केवल तिवारी

कुछ लोग खुद को सोशल मीडिया सनसनी के तौर पर मानने लगे हैं और उनको ‘स्टारडम’ जैसा अनुभव होने लगा है। इस चस्के पर लगाम लगाने के लिए कानूनी डंडे से ज्यादा कारगर सामाजिक जागरूकता होगी। उससे भी पहले शुरुआत परिवार से होनी चाहिए।

किसी ऐतिहासिक पर्यटन स्थल पर घूमने गए एक परिवार के बच्चों ने वहां जाने से इसलिए मना कर दिया कि उस परिसर में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं थी। बच्चों को उसी जगह जाना पसंद था जहां वे फोटो खींच सकें, वीडियो या रील बना सकें और उन्हें अपने सोशल मीडिया मंचों पर अपलोड कर सकें। बच्चों की जिद के आगे परिवार के बड़े सदस्य नतमस्तक हो गये और बाहर से लौट आये। यह वाकया छोटा सा है, लेकिन इसके असर दूरगामी हैं। फोटो खींचने, वीडियो बनाने का यह जुनून अब अपने खतरनाक रूप की ओर बढ़ चला है। ‘लाइक’, ‘कमेंट’ और ‘व्यूज’ को बटोरने और उसके जरिये कमाई करने की कोशिशों में हदें पार हो रही हैं।

जिंदगी की राहों में रील बनाने का चस्का ऊहापोह के चौराहे पर पहुंच चुका है। आये दिन इस चस्के के कारण जान चली जाने की खबरें तो आती ही हैं, किशोरावस्था की दहलीज पर कदम रख रहे बच्चों की बुद्धिमत्ता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कुछ समय पूर्व एक शोध रिपोर्ट में यह बात सामने आई थी कि अगर आप किसी खास जगह पर घूमने जाएं और वहां हर समय फोटो-वीडियो बनाने में ही व्यस्त रहेंगे तो आपको अपने इस पर्यटन की यादें बहुत समय तक नहीं रहेंगी। इसके उलट अगर आप एक बार फोटो खिंचा लें फिर उन नजारों का आनंद लें तो लंबे समय

तक ये यादें आपके जेहन में रहेंगी। आप इनकी चर्चा भी अपने जानने वालों से करते रहेंगे।

रिपोर्ट में इस बात का जिक्र था कि जिन पर्यटन या धार्मिक स्थलों पर फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी की मनाही होती है या मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित होता है, वहां की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय तक रहती हैं। आजकल बहुतायत में यह देखा जाता है कि पर्यटन पर निकले लोग फोटो खिंचाने या वीडियो बनाने में ही व्यस्त नजर आते हैं। वह अपनी यात्रा को कितना अपने मन-मस्तिष्क में संजोकर रख पाते होंगे, ये वही जानें। लेकिन कोई यादों को मन में सहेजना चाहे या नहीं, उन पर निर्भर करता है।

लेकिन रील बनाने का चस्का अब लोगों की भावनाओं से भी खिलवाड़ करने तक पहुंच गया है। गरीबी का मजाक उड़ाया जाता है। रेहड़ी-पटरीवालों और बुजुर्गों के प्रति संवेदनशून्यता नजर आती है। स्त्री के सम्मान को ठेस पहुंचाई जाती है और कई बार तो सांस्कृतिक विरासत के साथ भी बेहूदगी होती है।

पिछले दिनों उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में अनेक लोगों ने ऐसी ही कुछ रील्स का सार्वजनिक तौर पर विरोध किया। मामला था ‘रंगवाली पिछौड़ा’ का। दरअसल, कुमाऊं क्षेत्र में शुभ कार्यों के दौरान महिलाएं एक विशेष किस्म की ओढ़नी से सिर ढकती हैं जिसे ‘रंगवाली पिछौड़ा’ कहते हैं। रील्स की लत लगाए बैठे लोगों ने कुछ कुत्तों को इसे ओढ़ाकर वीडियो बनाईं। उसे अपने सोशल मीडिया मंचों पर अपलोड भी कर दिया। ऐसी रील्स का लोगों ने जमकर विरोध किया और फटाफट ‘अनफॉलो’ भी करना शुरू किया।

ऐसे ही बिहार, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल के अनेक प्रवासी कहते हैं कि उनके यहां भी रील्स का अजीब चस्का है। बुजुर्ग दुकानदारों, सब्जी-फल बेच रहीं महिलाओं को ‘ठगा’ जाता है। ‘प्रैंक’ के नाम पर ऊल-जलूल हरकतें होती हैं। गनीमत है कि कुछ रील्स की आप संबंधित मंचों पर ही रिपोर्ट कर सकते हैं। उन्हें देखने से इनकार कर सकते हैं। अनफॉलो कर सकते हैं, लेकिन उन वीडियो का क्या होगा जो बच्चे यूं ही देखते चले जा रहे हैं।

दरअसल, रील बनाने का जितना चस्का है, उससे कहीं अधिक उन्हें देखने का भी है। अनगिनत रील। कहीं बिना प्रमाण के डॉक्टरी सलाह हैं तो कहीं हंसी-मजाक। कहीं भयानक फूहड़ता है तो कहीं भद्दे चुटकुले। रील्स की इस भयावहता का अंदाजा फ्रांस आदि देश लगा चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया का नाम इनमें सबसे पहले आता है जहां 16 वर्ष से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा अनेक देश भी ऐसा प्रतिबंध लगा चुके हैं या लगाने की तैयारी में हैं।

प्रतिबंध से पहले इन देशों में शोध करवाए गए। शोध अध्ययन की फाइनल रिपोर्ट में कहा गया कि सोशल मीडिया पर वीडियो देखने की लत से बच्चों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। रील्स का एक एल्गोरिदम है। आप जैसा देखते हैं, वैसी रील्स लगातार आपके पास आने लगती हैं। ऐसे में हानिकारक और हिंसक सामग्री बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। यह नुकसान न केवल देखने में है, बल्कि बनाने में भी।

एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के महानगरीय जीवनशैली में माता-पिता खुद अपने बच्चों को रील्स बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कई बार तो खुद भी उनके साथ शामिल हो रहे हैं। इससे उनकी पढ़ाई पर तो प्रतिकूल असर पड़ ही रहा है, वास्तविक जीवन से भी वे दूर होते जा रहे हैं। कुछ लोग खुद को सोशल मीडिया सनसनी के तौर पर मानने लगे हैं और उनको ‘स्टारडम’ जैसा अनुभव होने लगा है। इस चस्के पर लगाम लगाने के लिए कानूनी डंडे से ज्यादा कारगर सामाजिक जागरूकता होगी। उससे भी पहले शुरुआत परिवार से होनी चाहिए।

‘हिट’ की मार के बावजूद बरकरार है धार

वह तुम्हारा घर नहीं है, वह तुम्हारा किचन नहीं है न कि हिट मार कर उन्हें भगा दोगे। हालांकि, वहां भी हिट तो मारा जा रहा है। लठ तो बजाए जा रहे हैं। पर वे जा ही नहीं रहे। कहां जा रहा है, तू ए जाने वाले। अच्छा, दिल्ली जा रहा है। ठीक है, दिल्ली तो जाना, पर दिल्ली में कहां जाना है, यह देख लेना, क्योंकि इधर मेट्रो के बहुत से स्टेशन बंद रहते हैं। फंस मत जाना। हां-हां, जैसे कोई राड़ा होने पर इंटरनेट बंद कर दिया जाता है, वैसे ही दिल्ली में मेट्रो स्टेशन भी बंद कर दिए जाते हैं। नहीं, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, पहले भी कई बार ऐसा हुआ है। और हां, अगर नयी दिल्ली की तरफ जाना है, तो जंतर-मंतर मत जाना। वैसे भी जंतर-मंतर पर तो आंदोलनकारी ही जाते हैं। लेकिन तुम तो आंदोलनकारी- आंदोलनजीवी नहीं हो न। तो जंतर-मंतर मत जाना। वहां कॉकरोच आ गए हैं, इकट्ठे हो गए हैं, जम गए हैं। न जाने कहां-कहां से आ गए हैं।

बहुत दिन तक तो इक्के-दुक्के, दो-चार, दस ही नजर आए। लेकिन अचानक उनकी संख्या बढ़ने लगी। हजारों में पहुंच गयी। उन्हें रोकने की बड़ी कोशिश हुई, कोशिश हुई कि उन्हें फैलने न दिया जाए। घेराबंदी की गयी। बैरिकेडों की वेल्डिंग तक की गयी। लेकिन यह मजबूती भी कोई काम नहीं आयी। वे निकल गए, इधर से, उधर से, काबू में ही नहीं आए, फैल गए और संसद तक पहुंच गए। नहीं भाई, वह तुम्हारा घर नहीं है, वह तुम्हारा किचन नहीं है न कि हिट मार कर उन्हें भगा दोगे। हालांकि, वहां भी हिट तो मारा जा रहा है। लठ तो बजाए जा रहे हैं। पर वे जा ही नहीं रहे। जाते हैं, तो फिर आ जाते हैं और पहले की तरह फिर जुट जाते हैं। तो तुम जंतर-मंतर मत जाना। वहां कॉकरोचों पर पुलिस के डंडे पड़ रहे हैं, तुम भी लपेटे में मत आ जाना।

कॉकरोच कह रहे हैं कि पुलिस वाले बहुत मार रहे हैं, डंडे मार रहे हैं, थप्पड़-लात-घूंसे मार रहे हैं, और तो और लंगड़ी मार कर गिरा भी रहे हैं। कुछ तो कह रहे हैं कि उनके डंडों में कीलें भी लगी हैं। डंडे मारने वाले और भी बहुत से लोग आ गए हैं। कोई कह रहा है कि सादी वर्दी में पुलिस वाले ही हैं, कोई कह रहे हैं कि नहीं पुलिस वाले तो नहीं लग रहे। पर वे मार बहुत रहे हैं। तो तुम उधर मत जाना। कॉकरोच पुलिस वालों को लानतें भी दे रहे हैं, उन्हें उनके बच्चों का वास्ता दे रहे हैं। लेकिन उनकी दुहाइयां काम नहीं आ रही। उन पर किसी को दया नहीं आ रही। दया आ रही है तो लंगर वालों को। वे उन्हें खाना पहुंचा रहे हैं। दया उन पर और भी बहुत से लोगों को आ रही है, जो ज़ोमेटो और स्विगी से खाना ऑर्डर कर वहां भिजवा रहे हैं। लेकिन यह भी हो सकता है वह उनका दया भाव न हो।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

मंत्री गजेन्द्र ने ट्रैक्टर चलाकर खेत की मताई की और रोपाई का काम शुरू किया

दुर्ग। प्रदेश में मानसून की अच्छी बारिश के बाद खेती-किसानी का कार्य तेज हो गया है। इसी क्रम में दुर्ग शहर विधायक एवं शिक्षा, ग्रामोद्योग तथा विधि-विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव शुक्रवार को अपने गृहग्राम अहिवारा के पास स्थित माटरा गांव के खेत पहुंचे और किसानों के साथ खेती के कार्यों में शामिल हुए। मंत्री गजेन्द्र ने स्वयं ट्रैक्टर चलाकर धान रोपाई से पहले खेत की मताई की तथा लगभग दो एकड़ खेत को रोपाई के लिए तैयार किया। उन्होंने खेत का निरीक्षण कर खाद की उपलब्धता और खेती की तैयारियों की जानकारी ली। समय पर निंदाई-गुड़ाई करने की सलाह दी। इसके बाद खेत में धान रोपाई का कार्य शुरू कराया। मंत्री यादव ने कहा कि व्यक्ति चाहे किसी भी पद पर पहुंच जाए, उसे अपनी माटी, संस्कृति और मूल कार्य को कभी नहीं भूलना चाहिए। मैं किसान परिवार से हूं। खेती-किसानी हमारे जीवन का आधार है। समय मिलने पर आज भी खेत में जाकर खेती के कार्यों में भाग लेता हूं। किसानों की मेहनत और खेती का महत्व समझने के लिए खेत से जुड़ाव बनाए रखना आवश्यक है। किसान परिवार से होने के कारण यादव किसानों की समस्याओं और आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझते हैं।

बेटियों की शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण सरकार की प्राथमिकता

दुर्ग। शासकीय हाई स्कूल परिसर गनियारी में शुक्रवार को कक्षा 9वीं की 30 छात्राओं को निशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सरस्वती साइकिल योजना के तहत हुए कार्यक्रम में छात्राओं को इसका लाभ दिया। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में कदम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। विधायक ललित ने कहा कि सरस्वती नि:शुल्क साइकिल योजना बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने, उन्हें विद्यालय तक सुरक्षित एवं सुगम आवागमन उपलब्ध कराने व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति प्रिया साहू, सरपंच संतोषी साहू, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामकली साहू, महामंत्री भू भारती, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विनोद साहू, उपसरपंच कीर्तन साहू, प्राचार्य लक्ष्मी धुरंधर, प्रधान पाठक नीलिमा नेताम, सपना रंगा, संतोष साहू सहित अन्य मौजूद रहे।

कोटवानी स्कूल विकास समिति के हेमंत अध्यक्ष

भिलाई। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय कोटवानी के एकीकरण के बाद स्कूल विकास समिति बनी। समिति ने सर्वसम्मति से हेमंत पाल को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष चुना, जबकि टिकेश्वर वर्मा को उपाध्यक्ष बनाया गया। ग्रामीणों ने पाल के पिछले कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था, अनुशासन और बेहतर शैक्षणिक परिणामों के लिए उनकी सक्रिय भूमिका का हवाला देते हुए दोबारा जिम्मेदारी सौंपी।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन, विजेताओं को किया गया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम/प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत सरस्वती नगर आवास परिसर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आवासीय परिसर के हितग्राहियों में राष्ट्रीय भावना, रचनात्मकता एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। नगर पालिक निगम दुर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता, निबंध लेखन एवं कविता (पोयम) प्रतियोगिता आयोजित की गई।

इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सहायक अभियंता हरिशंकर साहू ने प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ ऐसे आयोजनों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।पूरे कार्यक्रम के दौरान सरस्वती नगर आवास परिसर का वातावरण उत्साह, उमंग एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत रहा।

उपस्थित हितग्राहियों ने इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए नगर निगम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए, जिससे आपसी भाईचारा और सामुदायिक सहभागिता को और अधिक मजबूती मिले।

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले हितग्राहियों नाम धनेश्वरी पांडे,सोनी सिंह,पुष्पा गौतम,साक्षी देवांगन,मीरा टांगे, चांदनी भट्ट,दिव्यांश बोरकर इत्यादि है।

संवाद से सशक्तिकरण तक : महिला कर्मियों के लिए नई पहल कर रहा बीएसपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में महिला कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल को सुरक्षित के साथ-साथ अधिक जागरूक, आत्मविश्वासी और संवादपूर्ण बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संयंत्र के परियोजनाएं विभाग ने महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और जागरूकता को केंद्र में रखते हुए 'सखी संवाद' कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पहल केवल एक जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिला कर्मचारियों और संविदा कर्मियों के लिए ऐसा साझा मंच है, जहां वे स्वास्थ्य, कार्यस्थल की चुनौतियों, सुरक्षा और व्यक्तिगत विकास से जुड़े विषयों पर खुलकर संवाद कर सकें।

23 जुलाई 2026 को बीएसपी के प्रोजेक्ट्स एक्सपेंशन कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) उन्मेष भारद्वाज ने किया। कार्यक्रम में परियोजनाएं विभाग की महिला अधिकारी, महिला गैर-अधिशासी कर्मचारी तथा संविदा महिला कर्मियों सहित लगभग 30 महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) जया राय एवं उनकी टीम ने कार्यस्थल पर प्रभावी संवाद और जागरूकता से जुड़े विषयों पर प्रस्तुति दी। वहीं महाप्रबंधक (परियोजनाएं) राधिका श्रीनिवासन, नीलू भारद्वाज तथा बोन्या मुखर्जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और पेशेवर विकास पर विचार रखे। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को खुलकर अपनी बात रखने और अनुभव साझा करने का अवसर भी प्रदान किया।

परियोजनाएं विभाग की नियमित कल्याणकारी गतिविधियों के तहत कार्यक्रम में संविदा महिला कर्मियों को पर्यावरण अनुकूल सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए। विभाग का मानना है कि स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता महिलाओं के सम्मानजनक एवं सुरक्षित कार्य वातावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

'सखी संवाद' पहल की अवधारणा कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) पी. के. सरकार के मार्गदर्शन में महिला दिवस 2026 के अवसर पर विकसित की गई थी। इसके अंतर्गत वर्षभर महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं पोषण, कार्यस्थल सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता, साइबर सुरक्षा, डिजिटल क्षमता, लैंगिक संवेदनशीलता तथा प्रेरक संवाद जैसे विषयों पर नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

परियोजना विभाग इससे पहले भी महिला कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। इससे पूर्व 'अर्थज्ञान' कार्यक्रम के माध्यम से महिला ठेका श्रमिकों को बैंकिंग, बचत, डिजिटल भुगतान और वित्तीय प्रबंधन की जानकारी दी गई, ताकि वे आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर बन सकें।

इसी प्रकार भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों में समय-समय पर 'नई चेतना' अभियान के अंतर्गत महिला ठेका श्रमिकों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, कार्यस्थल पर सुरक्षा तथा उनके श्रम अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है। इस अभियान में उन्हें न्यूनतम वेतन, बोनस, भविष्य निधि (पीएफ), ईएसआईसी तथा भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा श्रमिकों के बच्चों के लिए संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की जाती है, ताकि वे अपने अधिकारों और उपलब्ध सुविधाओं का बेहतर लाभ उठा सकें।

किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तकनीक और उत्पादन से नहीं, बल्कि अपने कर्मचारियों विशेषकर महिला कर्मियों— के स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और सम्मानजनक कार्य वातावरण से भी तय होती है। आज 'नई चेतना' 'सखी संवाद' और 'अर्थज्ञान' जैसे कार्यक्रम इसी सोच को आगे बढ़ाने की एक सार्थक पहल बनकर उभर रहें है।

रिसाली निगम बढ़ाएगा अपना संसाधन

वाहन के लिए दूसरे निकाय पर नहीं रहना पड़ेगा आश्रित

रिसाली। महापौर शशि सिन्हा ने नगर निगम रिसाली का संसाधन बढ़ाने का फैसला लिया है। उन्होंने महापौर परिषद की बैठक में सक्शन कम जेटिंग मशीन, हॉपर टिपर, डम्फर और ई कार्ट खरीदने पर मुहर लगाई है। परिषद की बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई।

आमतौर पर रिसाली निगम को बड़े सेप्टिक टैंक की सफाई करने सक्शन मशीन के लिए दूसरे निकाय पर निर्भर रहना पड़ता था। अब रिसाली के पास खुद का वाहन होगा। शुक्रवार निर्णय लिया गया कि तीन-तीन हजार लीटर क्षमता वाले दो वाहन की खरीदी की जाऐगी। सक्शन मशीन के साथ तीन हजार लीटर की जेटिंग सुविधा भी रहेगी। इसके अलावा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए 33 नग ई कार्ट की भी खरीदी की जाएगी। यही नहीं हॉपर टिपर डम्फर 2 नग खरीदने का अंतिम निर्णय लिया गया। महापौर परिषद के सदस्यों का कहना था कि संसाधन बढ़ने से दूसरे निकाय पर निर्भरता पूरी तरह खत्म हो जाएगी। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य जहीर अब्बास, सनीर साहू, अनिल देशमुख, संजू नेताम, रोहित धनकर, ममता यादव, रंजीता बेनुआ, जमुना ठाकुर के अलावा आयुक्त मोनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत अन्य विभाग प्रमुख मौजूद थे।

गौधाम योजना के तहत संचालित होगा नेवई गौठान

वर्तमान में गौठान का संचालन रिसाली निगम करता था, जहां घुमंतू मवेशियों को पकड़कर रखा जाता था। अब राज्य सरकार की योजना के तहत गौठान का संचालन गोधाम योजना के तहत किया जाएगा। इसके लिए व्योम इंटरप्राइजेस तालपुरी को अधिकृत किया गया है।

भिलाई निगम क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों को मिली गति, नाली निर्माण कार्य प्रगति पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। निगम द्वारा शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में सड़क निर्माण, रोड सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण सहित आवश्यक विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

इसी क्रम में 15वें वित्त आयोग मद से एसबीआई कॉलोनी में विकास कार्य एवं नगरोत्थान मद से मार्ग चैड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। वहीं विकास शुल्क मद से अनुष्ठा रेसिडेंसी में रोड एवं नाली निर्माण का कार्य प्रगति पर है। कैलाश नगर स्थित महावीर मार्ग के सीमेंटीकरण का कार्य भी कराया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही कुरूद स्थित सुंदर विहार कॉलोनी में सामुदायिक भवन निर्माण तथा जामुल ट्रेचिंग ग्राउंड स्थित निर्माणाधीन डॉग हाउस में जल निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए नाली निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा क्षेत्र की आवश्यकताओं एवं नागरिकों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्यों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराने का प्रयास किया जा रहा है। इन कार्यों के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को सुगम आवागमन के साथ-साथ बेहतर जल निकासी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

पारदर्शी लॉटरी से हुआ आवास आवंटन, महापौर ने सौंपे अलॉटमेंट पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों को स्वयं का पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी (अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप) घटक के तहत निर्मित आवासों के आवंटन की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से जारी है।

शहरवासियों के लिए आकर्षक एवं किफायती दरों पर निर्मित इन आवासों के प्रति लगातार बढ़ती रुचि को देखते हुए निगम को प्रतिमाह बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रत्येक माह लॉटरी के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस माह गोकुल नगर में 1, सरस्वती नगर में 16 तथा मां कर्मा बोरसी में 4 आवासों के लिए प्राप्त कुल 21 आवेदनों का लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया। पूरी प्रक्रिया हितग्राहियों की उपस्थिति में संपन्न हुई, जहां प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया। इससे आवंटन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पूरी तरह सुनिश्चित हुई। महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, नरेंद्र बंजारे एवं जितेंद्र ताम्रकार,रामचंद्र सेन, सहायक अभियंता संजय ठाकुर की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया संपन्न कराई तथा चयनित हितग्राहियों को आवंटन पत्र प्रदान किए। निगम प्रशासन ने बताया कि निर्धारित संपूर्ण राशि जमा करने के उपरांत हितग्राहियों को आधिपत्य (कब्जा) पत्र प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को अपना स्थायी आवास उपलब्ध कराना है। इसलिए योजना के तहत आवंटित मकानों में केवल पात्र हितग्राही ही निवास करेंगे। यदि कोई हितग्राही आवास को किराये पर देता हुआ पाया गया या योजना के नियमों का उल्लंघन करता है, तो नगर निगम द्वारा नियमानुसार आवंटन निरस्त करने सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी। दीपक संचेती, हिमांशू बेलेंद्रे, सीएलटीसी के अधिकारी-कर्मचारी, भीम कुमार निषाद सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता सर्वेक्षण और विभिन्न विकास कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा हेतु प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के स्वच्छता लक्ष्यों और पूर्व में दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की गई, जिसमें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे ने कलेक्टर कॉन्फ्रेंस के दिशा-निर्देशों के पालन की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक के दौरान यह विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि जिले के समस्त 381 ग्रामों को ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित किया जा चुका है और इनका भौतिक सत्यापन भी पूर्ण हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए ग्राम के सभी परिवारों द्वारा घर पर ही चार प्रकार का कचरा पृथक्करण किया जाना अनिवार्य किया गया है। साथ ही, बल्क वेस्ट जनरेटर की पहचान कर उनका पंजीयन करने के निर्देश दिए गए हैं। कचरा संग्रहण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सायकल रिक्शा में गीले एवं सूखे कचरे के अतिरिक्त दो अन्य खंड जोड़े जाने के निर्देश दिए गए हैं, जिनमें लाल खंड सेनेट्री पैड एवं डायपर के लिए तथा काला खंड अन्य ई-कचरे के लिए निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, ग्राम में निर्मित नाडेप और वर्मी कंपोस्ट के उपयोग हेतु साफ-सफाई करने के भी निर्देश प्रदान किए गए हैं। व्यक्तिगत शौचालयों और प्रोत्साहन राशि के वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि जनपद पंचायत धमधा से 219 एवं पाटन से 135 प्राप्त मांग पत्रों के अनुसार हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा चुकी है। इसके साथ ही, जनपद पंचायत दुर्ग से 278, धमधा से 02 एवं पाटन से 361 नवीन पात्र परिवारों को व्यक्तिगत शौचालय के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। ग्रामीण अंचल में घर-घर कचरा संग्रहण प्रणाली को प्रभावी बनाने और प्रत्येक घर से निर्धारित यूजर चार्ज की नियमित वसूली सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। स्वच्छताग्राहियों के मानदेय भुगतान की समीक्षा करते हुए यह कड़े निर्देश दिए गए कि जिन ग्राम पंचायतों में मानदेय लंबित है, उन्हें 15 दिवस के भीतर भुगतान कर प्रतिवेदन प्रेषित किया जाए तथा 15वें वित्त आयोग की राशि से इसका नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

तरल एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के मोर्चे पर जानकारी दी गई कि जिले में वर्तमान में 5 फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट और 3 प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट पूरी तरह से क्रियाशील हैं। ग्रामीण अंचल में डी-स्लज वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने और नवीन एफएसटीपी निर्माण तथा पूर्व में निर्मित प्लांट के एक्सटेंशन पर भी चर्चा की गई। महतारी सदन में निर्मित सामुदायिक शौचालयों में 15वें वित्त आयोग की राशि का भुगतान करने हेतु ग्राम पंचायतों को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, क्रेडा विभाग को गोवर्धन प्लांट को पुन: क्रियाशील करने के निर्देश दिए गए हैं तथा जिन हितग्राहियों एवं संस्थानों को गैस कनेक्शन प्रदाय किए गए हैं, उनसे निर्धारित शुल्क प्राप्त करने और पुन: उपयोग सुनिश्चित करने हेतु ग्राम स्तर पर बैठक आयोजित कर संचालन एवं संधारण की व्यवस्था पुख्ता करने को कहा गया है। बैठक में सभी जनपद सीईओ, परियोजना अधिकारी और निर्माण कार्य एजेंसी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः सृष्टि को घर के बिजली बिल में मिली राहत

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से आमजनों को बिजली बिल में बड़ी राहत मिल रही है। योजना के माध्यम से जिले के अनेक घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं और लोग बिजली खर्च से मुक्त होकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह योजना नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है। इसी कड़ी में मुंगेली निवासी सृष्टि सोनी ने अपने घर में 10 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कर ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाया है। सृष्टि सोनी ने बताया कि सोलर सिस्टम स्थापित करने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल 10 से 15 हजार रुपये तक आता था। सोलर पैनल लगवाने के बाद अब उनका बिजली बिल घटकर महज 500 से 700 रुपये प्रतिमाह रह गया है। हर महीने हजारों रुपये की बचत हो रही है, जिसका उपयोग परिवार की अन्य आवश्यकताओं में किया जा रहा है। सोलर पैनल स्थापना के लिए उन्हें शासन की ओर से 02 लाख 16 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे परियोजना की लागत काफी कम हो गई।

खोंगसरा में 50 सीटर नवीन आदिवासी छात्रावास 15 अगस्त तक होगा तैयार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों में नए और आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्री-मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास भवनों का निर्माण किया जा रहा है द्य पीएम जनमन योजना के अंतर्गत बिलासपुर जिले के खोंगसरा स्थित प्री-मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास के विद्यार्थियों को जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए छात्रावास भवन की सौगात मिलेगी। कलेक्टर बिलासपुर संजय अग्रवाल ने निर्माणाधीन 50 सीटर नवीन छात्रावास भवन का कार्य 15 अगस्त तक हर हाल में पूर्ण करने संबंधितों को निर्देश दिए हैं। लक्ष्य है कि विद्यार्थियों को नए भवन में स्थानांतरित कर सुरक्षित, सुविधायुक्त और बेहतर आवासीय व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके। वर्तमान में छात्रावास में 24 विद्यार्थी निवासरत हैं।

सीएसआर साझेदारी से पोषण और बाल विकास कार्यक्रमों को मिलेगी नई गति

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से राज्य में पोषण, बाल विकास एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसी उद्देश्य से आज सिविल लाइंस स्थित सर्किट हाउस में विभाग और विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दीर्घकालिक सहयोग की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार ने कहा कि महिलाओं और बच्चों का समग्र विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। शासन द्वारा संचालित योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में उद्योगों की सामाजिक भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की ओर छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनाश्रित अंचलों में जीवन-यापन करने वाले तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की आर्थिक समृद्धि, सामाजिक सुरक्षा और आजीविका सुदृढ़ीकरण की दिशा में राज्य शासन ने एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। लंबे समय से प्रतीक्षित प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) की राशि अब सीधे संग्राहकों के बैंक खातों में पहुंचनी शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा रायपुर स्थित कृषि मण्डपम में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के दौरान वर्ष 2023 के तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए बोनस वितरण का शुभारंभ करने के बाद धमतरी जिले सहित प्रदेश भर में ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया बेहद तेजी से पूरी की जा रही है। राज्य शासन का यह प्रयास केवल मौसमी रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पारंपरिक आजीविका को एक स्थायी और मजबूत आर्थिक आधार प्रदान करने की दिशा में एक समग्र रणनीति का हिस्सा है।

जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित, वनमंडल धमतरी के प्रबंध संचालक एवं वनमंडलाधिकारी के अनुसार, वर्ष 2023 के तेंदूपत्ता विक्रय से लाभ अर्जित करने वाली जिले की 25 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के 212 फड़ों से जुड़े ग्रामों के 23,723 संग्राहक परिवारों के लिए कुल 3.92 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन पारिश्रमिक स्वीकृत किया गया है। 20 जुलाई 2026 तक 3.84 करोड़ रुपए की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है। पात्र शेष हितग्राहियों को भी त्वरित प्रक्रिया के तहत राशि सीधे स्थानांतरित की जा रही है। ?इसके साथ ही, राज्य सरकार ने वर्ष 2026 के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण दर बढ़ाकर 5,500 रुपए प्रति मानक बोरा निर्धारित की है, जिससे संग्राहकों की आय में प्रत्यक्ष एवं उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

धमतरी जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण के आंकड़ों पर नज़र डालें तो वर्ष 2026 के लिए 26 हजार 800 मानक बोरा का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके विरुद्ध 26 हजार 550 संग्राहकों के सम्मिलित योगदान से 23 हज़ार 751 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया, जो कि कुल लक्ष्य का लगभग 88.70 प्रतिशत है। इस संग्रहण कार्य के बदले संग्राहकों को 13.07 करोड़ रुपए से अधिक का पारिश्रमिक भुगतान सफलतापूर्वक किया जा चुका है। वहीं, इससे पिछले वर्ष 2025 में जिले के 27 हजार 887 संग्राहकों ने भाग लिया था, जिनके द्वारा 25 हजार 275.63 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित किया गया था। इस कार्य के लिए संग्राहकों को 13.90 करोड़ रुपए का पारिश्रमिक पूर्ण रूप से वितरित किया गया था। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2022 के बोनस के रूप में भी 24 हजार 529 संग्राहकों को 6.33 करोड़ रुपए का भुगतान पूर्व में किया जा चुका है। तेंदूपत्ता संग्राहकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए केवल वित्तीय प्रोत्साहन ही नहीं, बल्कि कई सामाजिक सुरक्षा और सुविधामूलक योजनाएं भी पूरी निष्ठा के साथ संचालित की जा रही है। वर्ष 2024-25 में 27 हजार 532 महिला संग्राहकों को चरण पादुकाएं वितरित की गईं। वहीं, सत्र 2025-26 में 28 हजार 723 पुरुष संग्राहकों को चरण पादुकाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। संघ संचालित इस योजना के तहत मई 2026 तक प्राप्त 258 मामलों में से 205 का निराकरण कर 24.60 लाख रूपए की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। राजमोहिनी देवी सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत 392 में से 339 प्रकरणों को स्वीकृति देते हुए 4.43 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरित कर संकट की घड़ी में परिवारों को संबल प्रदान किया गया। वनाश्रित क्षेत्रों में शिक्षा के उजियारे और नए स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए जिला वनोपज सहकारी यूनियन धमतरी की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

शत-प्रतिशत सत्यापन कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें: मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकास शील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजना की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में नियद नेल्लानार 2.0, पूर्व नक्सल प्रभावित (एलडब्ल्यूई) सात जिलों, बस्तर मुन्ने अभियान, सुघ्घर छत्तीसगढ़ पोर्टल, एनसीएईआर सर्वे तथा मावा सेहत-मावा बस्तर अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में हितग्राही मूलक योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने, डेटाबेस अद्यतन, पात्र हितग्राहियों के सत्यापन तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित किया जाए तथा बस्तर मुन्ने पोर्टल, सुघ्घर छत्तीसगढ़ पोर्टल एवं अन्य संबंधित पोर्टलों पर सभी प्रविष्टियां अद्यतन रखी जाएं। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही को शासन की योजनाओं के लाभ से छूटना नहीं चाहिए। जहां आवश्यकता हो, वहां विशेष अभियान एवं शिविर आयोजित कर शत-प्रतिशत हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। मुख्य सचिव ने इन सभी योजनाओं का अद्यतन डाटा समय पर अपलोड करने, एनसीएईआर सर्वे डाटा का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने तथा हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोर्टलों पर उपलब्ध डाटा पूरी तरह अद्यतन एवं प्रमाणित होना चाहिए।

बैठक में राशन कार्ड, आधार कार्ड, जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), आयुष्मान भारत कार्ड, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री जनधन योजना, जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा, श्रम कार्ड तथा महतारी वंदन योजना सहित अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सभी योजनाओं में शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित करने कहा।

बैठक में मावा सेहत-मावा बस्तर अभियान की उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि 13 अप्रैल से जून तक संचालित इस विशेष अभियान के दौरान 34 लाख से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गईं। अभियान के लिए गठित 1,020 समर्पित स्वास्थ्य दलों ने दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचकर लगभग 99.6 प्रतिशत गांवों को कवर किया। अभियान के दौरान चिन्हित बीमारियों के उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों का समयबद्ध उपचार सुनिश्चित करने तथा नियमित फॉलोअप के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, सभी पोर्टलों पर अद्यतन जानकारी दर्ज की जाए। उन्होंने संबंधित जिला कलेक्टरों को नियमित मैदानी दौरे करने, विशेष अभियान चलाने तथा प्रगति की सतत मॉनिटरिंग कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया, वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता सहित आदि लोग उपस्थित थे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों को मिल रही सुरक्षा और सशक्तिकरण की नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत बालिकाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के विकासखंड प्रतापपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पंछीडांड़ (केरता) में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, महिला एवं बाल अधिकार, लैंगिक समानता, वित्तीय साक्षरता तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें सुरक्षित एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, घरेलू हिंसा से संरक्षण, महिला उत्पीड़न की रोकथाम, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह के दुष्परिणाम तथा बाल विवाह निषेध कानून की जानकारी दी। विद्यार्थियों को आवश्यकता पड़ने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 तथा आपातकालीन सेवा 112 का उपयोग करने के बारे में भी बताया गया। साथ ही यातायात नियमों एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार पर भी जागरूक किया गया।

शिविर के दौरान नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना तथा महतारी वंदन योजना सहित राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा महिलाओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता सेवाओं से भी छात्राओं एवं उपस्थित महिलाओं को अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में छात्राओं को आत्मविश्वास और सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया गया तथा जागरूकता संबंधी ब्रोशर वितरित किए गए।

मलेरिया नियंत्रण और कुपोषण उन्मूलन पर जिला प्रशासन का विशेष फोकस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में मलेरिया की रोकथाम, समय पर उपचार तथा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर संजय अग्रवाल ने विकासखंड कोटा के मलेरिया प्रभावित ग्राम औरापानी, नवाडीह, मझगांव तथा उप स्वास्थ्य केंद्र मझगांव का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मलेरिया नियंत्रण, कुपोषण उन्मूलन और नियमित स्वास्थ्य निगरानी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि ग्राम औरापानी में प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम (पीएफ) मलेरिया के तीन तथा नवाडीह में एक संक्रमित बच्चा चिन्हित हुआ है। सभी बच्चों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर चिकित्सा के लिए सिम्स बिलासपुर रेफर किया गया है। कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र मझगांव पहुंचकर भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकों को प्रभावित क्षेत्रों में सघन सर्वे, समय पर जांच तथा

गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर अग्रवाल ने ग्राम मझगांव एवं औरापानी के विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कहा कि यदि कोई बच्चा नियमित रूप से विद्यालय या आंगनबाड़ी केंद्र नहीं आ रहा है तो उसके घर जाकर कारण की जानकारी लें तथा आवश्यकता होने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना देकर उपचार की व्यवस्था कराएं। उन्होंने बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक एवं संतुलित आहार, विशेषकर स्थानीय पोषणयुक्त ष्तिरंगा भोजन अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण शिक्षा को नई दिशा, स्थानीय खाद्य संसाधनों और मिलेट्स को मिलेगा बढ़ावा

बच्चों के पूरक पोषण आहार में स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण संवर्धन प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में राज्य के विभिन्न जिलों में स्थानीय खाद्य संसाधनों पर आधारित पोषण शिक्षा और पोषण बाड़ी की अवधारणा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में दंतेवाड़ा जिले में 'निरमान' संस्था द्वारा डब्ल्यूएचएच परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिकाओं के लिए प्रशिक्षक प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से पोषण शिक्षा को व्यवहारिक स्वरूप दिया जा रहा है।

इस पहल के तहत दंतेवाड़ा जिले की आठ परियोजनाओं में आंगनबाड़ी सहायिकाओं को स्थानीय, विविध एवं मौसमी खाद्य पदार्थों के महत्व के साथ-साथ मिलेट्स आधारित पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजन तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों के पूरक पोषण आहार को अधिक पौष्टिक, संतुलित और स्थानीय संसाधनों पर आधारित बनाना है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण बाड़ी (न्यूट्री गार्डन) विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है, ताकि केंद्रों में फ्ल एवं हरी सब्जियों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके और बच्चों को ताजा एवं पौष्टिक आहार मिल सके।

इसी कड़ी में प्रशिक्षण के बाद 'निरमान' टीम ने परियोजना अधिकारियों के सहयोग से दंतेवाड़ा जिले के बारसूर क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में पपीता, कटहल, अमरूद, सहजन (मोरिंगा), भिंडी, लौकी, बरबटी, मक्का एवं कद्दू सहित विभिन्न फलदार एवं सब्जी फसलों के पौधे और बीज रोपे। आगामी चरण में बारसूर परियोजना के 30 से 40 आंगनबाड़ी केंद्रों में भी पोषण बाड़ी विकसित की जाएगी।

अब एक कॉल पर घर पहुंचेगा निःशुल्क पौधा, वन विभाग की अभिनव पहल से बढ़ेगी हरियाली

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने निःशुल्क पौधा वितरण वैन को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने रायगढ़ प्रवास के दौरान अपने निवास कार्यालय से वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, वनमंडल रायगढ़ द्वारा संचालित निःशुल्क पौधा वितरण वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभिनव पहल के माध्यम से रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के नागरिक अब केवल एक फोन कॉल पर अपने घर तक निःशुल्क पौधे प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नामश् अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि वन विभाग की यह पहल नागरिकों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। अब यदि कोई व्यक्ति अपने घर, आंगन, बाड़ी, खेत, बगीचे, तालाब किनारे अथवा अन्य उपयुक्त स्थान पर पौधारोपण करना चाहता है, तो उसे केवल टोल-फ्री नंबर पर कॉल करना होगा। इसके बाद वन विभाग की टीम सीधे उसके घर पहुंचकर निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराएगी।

उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से लोगों को पौधों के लिए नर्सरी या विभागीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और अधिक से अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ सकेंगे।

श्री चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। एक पेड़ मां के नामश् अभियान प्रकृति के प्रति सम्मान और मातृऋण के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो आने वाले समय में रायगढ़ हरियाली की नई पहचान बन सकता है।

मंत्री चौधरी ने बताया कि इस योजना के तहत वन विभाग द्वारा अच्छी गुणवत्ता वाले स्वस्थ पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। नागरिक अपनी आवश्यकता के अनुसार आम, अमरूद, नींबू सहित विभिन्न फलदार पौधों के साथ-साथ छायादार एवं अन्य उपयोगी प्रजातियों के पौधे भी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण पौधों की सहज उपलब्धता से पौधारोपण अभियान को नई गति मिलेगी।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि घर, बगीचे, खेत, तालाब किनारे, पार्क अथवा अन्य उपलब्ध स्थानों पर पौधारोपण कर प्रत्येक नागरिक पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकता है। एक पेड़ केवल हरियाली ही नहीं देता, बल्कि स्वच्छ हवा, संतुलित पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य का आधार भी बनता है। उन्होंने नागरिकों से वन विभाग की इस जनहितैषी पहल का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। नगर निगम क्षेत्र के नागरिक टोल-फ्री नंबर 8305186853 एवं 18002332631 पर कॉल कर फलदार, छायादार और अन्य उपयोगी प्रजातियों के पौधे निःशुल्क मंगा सकेंगे।

‘मैं सिर्फ सिख नहीं, हर धर्म का सम्मान करती हूं’

फिल्म ‘इश्कनामा’ को लेकर शहनाज गिल का बयान चर्चा में

शहनाज गिल ने हाल ही में अपनी फिल्म ‘इश्कनामा’ को लेकर एक बयान दिया है, जिसमें उन्होंने कहा कि वो केवल सिख धर्म की नहीं, बल्कि हर धर्म का सम्मान करती हैं। इस बात ने सोशल मीडिया और मीडिया जगत में खूब चर्चा बटोरी है।

एक्ट्रेस शहनाज गिल एक बार फिर अपने बेबाक अंदाज और सकारात्मक सोच को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस अपनी अपकमिंग फिल्म ‘इश्कनामा’ के प्रमोशन के दौरान उन्होंने धर्म, संस्कृति और एक कलाकार की जिम्मेदारी पर खुलकर बात की। शहनाज गिल ने कहा कि उन्हें बचपन से ही हर धर्म और उसकी परंपराओं का सम्मान करना सिखाया गया है। यही वजह है कि किसी भी किरदार को निभाते समय वो उसकी संस्कृति और रीति-रिवाजों का ईमानदारी से पालन करने की कोशिश करती हैं।

माता-पिता ने हर भगवान के सामने श्रद्धा से सिर झुकाना सिखाया है

शहनाज गिल ने बातचीत में अपने माता-पिता का जिक्र करते हुए बताया कि उनके घर में कभी किसी धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता हर भगवान के सामने श्रद्धा से सिर झुकाते थे और वही संस्कार उन्हें भी मिले हैं। उनके अनुसार, इंसानियत और सम्मान किसी एक धर्म तक सीमित नहीं होने चाहिए। शहनाज ने बताया, मेरे माता-पिता ने मुझे हर धर्म का सम्मान करना सिखाया है। हम कलाकार हैं और हमारे लिए हर संस्कृति और हर धर्म बराबर है। जब किसी किरदार को निभाते हैं तो उसकी पहचान और परंपरा का सम्मान करना भी हमारी जिम्मेदारी होती है।

इसके बाद शहनाज ने अपनी नई फिल्म ‘इश्कनामा’ का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें वो एक पाकिस्तानी लड़की का किरदार निभा रही हैं। ऐसे में स्क्रीन पर उन्हें उस किरदार की भाषा, बोलचाल और तौर-तरीकों को अपनाना होगा। उन्होंने एक्जैम्पल देते हुए कहा कि अगर उनके किरदार को आदाब कहना है तो वो वही कहेंगी, सिर्फ इसलिए कि वो सिख परिवार से आती हैं, हर जगह सत श्री अकाल कहना उस किरदार के साथ सही नहीं होगा।

एक स्टार का काम केवल एक्टिंग करना नहीं होता

इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने आगे कहा कि एक स्टार का काम केवल एक्टिंग करना नहीं, बल्कि उस किरदार की भावनाओं और उसकी दुनिया को ईमानदारी से पर्दे पर उतारना भी होता है। इसलिए वो मानती हैं कि एक्टिंग करते समय निजी पहचान से ज्यादा किरदार की सच्चाई भी जरूरी होती है। शहनाज गिल का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फिल्म ‘इश्कनामा’ को लेकर पहले से ही दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है और अब शहनाज का ये बयान भी चर्चा का विषय बन गया है।

सुकून देती है पहाड़, प्यार और अधूरे सपनों की कहानी, रफ्तार धीमी लेकिन नहीं छोड़ती साथ

ओटीटी पर हर हफ्ते कई रोमांटिक ड्रामा आते हैं, लेकिन कम ही कहानियां ऐसी होती हैं, जो प्यार को सिर्फ मंजिल नहीं, बल्कि सफर की तरह दिखाती हैं। नेटफ्लिक्स की ‘मुसाफिर कैफे’ ऐसी ही सीरीज है। यह रिश्तों में सही-गलत का फैसला सुनाने की बजाय हर किरदार की मजबूरी और नजरिए को समझने की कोशिश करती है। इसलिए कई बार आप सुधा की बात से सहमत होंगे, तो अगले ही पल चंदर का फैसला भी गलत नहीं लगेगा। यही इसकी सबसे बड़ी खूबी भी है।

कहानी

कहानी चंदर (विक्रांत मैसी), सुधा (वेदिका पिंटो) और प्रीति (महिमा मकवाना) के इर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज की कहानी दो टाइमलाइन में चलती है। एक तरफ चंदर और सुधा का अतीत है, जहां दोनों की मुलाकात अरेंज मैरिज के जरिए होती है। चंदर अमेरिका से लौटा एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, लेकिन उसका सपना कॉर्पोरेट नौकरी नहीं, बल्कि पहाड़ों में अपना छोटा-सा कैफे खोलने का है। वहीं, सुधा एक महत्वाकांक्षी वकील है, जो भोपाल से निकलकर मुंबई हाईकोर्ट में अपना करियर बनाना चाहती है। दोनों एक-दूसरे के करीब आते हैं, लेकिन उनके सपने और जिंदगी को लेकर सोच बिल्कुल अलग है। दूसरी तरफ वर्तमान में कहानी मसूरी के ‘मुसाफिर कैफे’ की है।

निर्देशन और स्क्रीनप्ले

निर्देशक रुचिर अरुण ने कहानी को सादगी के साथ पेश किया है। मसूरी और भोपाल की खूबसूरत लोकेशंस कहानी को और खूबसूरत बनाती हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक कई जगह खामोशी को और असरदार बना देता है। इसलिए इमोशनल सीन बिना ज्यादा डायलॉग के भी असर छोड़ते हैं। स्क्रीनप्ले की सबसे अच्छी बात इसकी दो समानांतर कहानियां हैं, जो ऑडियंस की दिलचस्पी बनाए रखती हैं। हालांकि, शुरुआती कुछ एपिसोड और बीच के कुछ हिस्से थोड़े धीमे महसूस होते हैं। अगर एडिटिंग थोड़ी और टाइट होती... तो सीरीज का असर और बढ़ सकता था।

वह मुझे टैटू दिखाने लगा, जबरा फैन की हरकत देखकर हैरान रह गई थीं काजल अग्रवाल

काजल अग्रवाल ने हाल ही में अपने साउथ अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने हाल ही में अपने साथ हुई एक चौंकाने वाली घटना का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि जबरा फैन की हरकत देखकर वे हैरान हो गई थीं।

काजल अग्रवाल साउथ की चर्चित अदाकारा हैं। वे तेलुगु इंडस्ट्री के अलावा तमिल और हिंदी भाषाओं में भी अपने अभिनय का दम दिखा रही हैं। फिलहाल, इन दिनों वे फिल्म ‘द इंडिया स्टोरी’ को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म शुक्रवार को रिलीज हुई है। इस बीच अभिनेत्री ने एक पुराना किस्सा साझा किया है, जो हैरान करने वाला है।

फैन की हरकत देख हैरान रह गईं काजल

काजल ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उन्होंने अपने साथ हुए एक कड़वे अनुभव के बारे में भी बताया। काजल ने बताया कि एक फैन किस तरह उनकी वैनिटी वैन में घुस आया था और अपनी शर्ट उतारकर अभिनेत्री का टैटू दिखाने लगा। इस घटना से वे काफी असहज हो गईं और हैरान रह गईं।

बिना इजाजत वैनिटी वैन में घुस आया था शख्स

काजल अग्रवाल ने अपना कड़वा अनुभव साझा करते हुए बताया, ‘कुछ दिनों पहले, मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही थी। पहले दिन का शॉट पूरा होने के बाद फिल्म का असिस्टेंट डायरेक्टर एक आदमी बिना मेरी इजाजत के मेरी वैनिटी वैन में घुस आया। आते ही उसने अपनी शर्ट उतारी और मुझे दिखाया कि उसने अपनी छाती पर मेरे नाम का टैटू बनवाया है। मैं इस अचानक हुई घटना से हैरान रह गई। मुझे उसकी तारीफ से खुशी हुई, लेकिन जब मैं अकेली थी, तो बिना इजाजत मेरे कमरे में आना और ऐसा करना ठीक नहीं था। इसलिए मैंने उसे धीरे से चेतावनी दी।

काजल अग्रवाल वर्कफ्रंट

फिल्म ‘द इंडिया स्टोरी’ का निर्देशन चेतन डीके ने किया है। इसमें काजल के अलावा श्रेयस तलपड़े, अश्विनी भांडे, हार्दिका जोशी, मुरली शर्मा, मनीष वाधवा, अतुल तिवारी और कमलेश सावंत जैसे सितारे हैं। फिल्म में खाद्य पदार्थों में मिलावट, प्रदूषण, कृषि में रसायनों के उपयोग और उसके नेगेटिव असर को दिखाया गया है।

यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज की गई है। ‘द इंडिया स्टोरी’ में काजल अग्रवाल ने एक वकील की भूमिका अदा की है। इस फिल्म के अलावा वे नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म ‘रामायण’ में भी नजर आएंगी। इसमें उन्हें मंदोदरी की भूमिका में देखा जाएगा।

टोफू असली है या मिलावटी? जानिए फर्क करने के कुछ आसान तरीके

दूध से बने पनीर की तरह दिखने वाला टोफू सोयाबीन से बनाया जाता है और यह शाकाहारियों के लिए प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत है। इसका सेवन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने में मदद कर सकता है। हालांकि, हाल ही में सोशल मीडिया पर यह चर्चा है कि बाजार में बिकने वाला अधिकांश टोफू नकली होता है। असली और मिलावटी टोफू के बीच अंतर समझ पाना थोड़ा मुश्किल है। ऐसे में ये तरीके पहचान करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

असली और नकली टोफू में क्या है अंतर?

असली टोफू सोयाबीन से बनाया जाता है और इसका रंग क्रीम होता है, जबकि नकली टोफू का रंग सफेद होता है। नकली टोफू बनाने के लिए सोयाबीन के अलावा कई तरह के रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है।

असली टोफू को हाथ से तोडने पर फड़ा जा सकता है, जबकि नकली टोफू को तोडने पर उसकी बनावट अलग लगती है।

असली टोफू की बनावट चिकनी होती है, जबकि नकली टोफू को हाथ से छूने पर खुरदरा महसूस होता है।

असली टोफू की पहचान के लिए इन तरीकों का करें इस्तेमाल

असली टोफू की पहचान के लिए सबसे पहले इसके लेबल को पढ़ें और देखें कि क्या उस पर सोयाबीन लिखा हुआ है। अगर आपके पास कोई टोफू है तो उसे हाथ से तोड़कर देखें।

अगर वह आसानी से टूट जाता है तो समझ जाएं कि वह असली है। इसके अलावा असली टोफू का रंग क्रीम होता है, जबकि नकली टोफू का रंग सफेद होता है।

नकली और असली टोफू का स्वाद भी अलग होता है।

क्या नकली टोफू खाना सेहत के लिए है नुकसानदायक?

नकली टोफू में इस्तेमाल होने वाले रसायन सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। इससे शरीर में हानिकारक तत्वों का स्तर बढ़ सकता है और कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है।

नकली टोफू का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो सकती है और पाचन तंत्र भी प्रभावित हो सकता है।

इसलिए, नकली टोफू का सेवन करने से बचें और असली टोफू को ही अपने खाने में शामिल करें।

असली टोफू के फायदे

असली टोफू प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत है और यह फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है।

यह दिल को स्वस्थ रखने, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने और कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

असली टोफू का सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने, पाचन को सुधारने और त्वचा को निखारने में भी सहायक है। इससे आपकी सेहत को कई लाभ मिल सकते हैं।

भोजपुरी अभिनेत्री ने खेसारी लाल पर लगाया एआई से बनी आपत्तिजनक तस्वीरें फैलाने का आरोप

भोजपुरी अभिनेत्री अंजना सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उनकी और उनकी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक एआई-जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन फैलाए जा रहे हैं। उन्होंने इसे लेकर भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

धमकी देने का लगाया आरोप

अंजना सिंह ने भोजपुरी सिंगर-एक्टर खेसारी लाल यादव की टीम से जुड़े लोगों पर यह कंटेंट फैलाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। अंजना ने कहा, ‘पिछले कुछ दिनों से मेरी और मेरी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक एआई-जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो फैलाए जा रहे हैं। अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है और धमकियां दी जा रही हैं’।

अंजना सिंह ने एफआईआर में क्या कहा?

अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि उन्हें कुछ लोगों से धमकियां मिल रही हैं, जिनमें लखनऊ न जाने की चेतावनी भी शामिल है। अंजना ने यह भी दावा किया कि खेसारी लाल यादव के मैनेजर अखिलेश कश्यप, उन्हें निशाना बनाने वाला कंटेंट बनाने और उसे प्रमोट करने में शामिल थे। अभिनत्री ने एफआईआर में कहा है, ‘खेसारी लाल यादव के मैनेजर अखिलेश कश्यप ने धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया है। उनकी टीम के लोगों ने मेरे और मेरी बेटी के बारे में गाने भी बनाए’।

बोलीं- ‘मुझे यकीन है कि न्याय मिलेगा’

अंजना सिंह ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए अधिकारियों से मामले की जांच करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, ‘मैं उत्तर प्रदेश की रहने वाली हूं। मुझे यूपी सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पूरा भरोसा है कि मुझे न्याय मिलेगा। ऐसे लोगों को तुरंत पकड़ा जाएगा और उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा’।

एक्ट्रेस ने कहा, ‘कुछ लोगों ने मेरे खिलाफ एक सोची-समझी साजिश के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील, भद्दा और आपत्तिजनक कंटेंट प्रसारित किया। मॉर्फ की गई अश्लील तस्वीरें पब्लिश कीं और आपराधिक धमकियां दीं’। यह शिकायत लखनऊ के हजरतगंज स्थित साइबर क्राइम विंग में दर्ज कराई गई है। खेसारी लाल यादव की टीम की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तुपकी की सलामी और भक्ति भाव के बीच संपन्न हुआ बस्तर का प्रसिद्ध गोंचा पर्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। प्रसिद्ध गोंचा पर्व छत्तीसगढ़ के बस्तर (जगदलपुर) अंचल में मनाया जाने वाला एक अनूठा और ऐतिहासिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक उत्सव है। यह भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा से जुड़ा है और इसकी मुख्य विशेषता तुपकी, गोंचा फल तथा 600 साल पुरानी परंपरा है।

बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का प्रतीक प्रसिद्ध गोंचा पर्व आज भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा रथयात्रा के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और भगवान बलभद्र जनकपुरी (गुंडिचा मंदिर) से रथ पर सवार होकर अपने मुख्य मंदिर लौटे।

बाहुड़ा गोंचा के अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की। उन्होंने क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। रथयात्रा के दौरान बस्तर की अनूठी और सदियों पुरानी परंपरा 'तुपकी' की सलामी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। बांस से बनाई गई विशेष नाल 'तुपकी' में पेंग (मलकांगनी) के बीज भरकर श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ को पारंपरिक सलामी दी।

तुपकी से निकलने वाली मधुर आवाज और श्रद्धालुओं के उत्साह से पूरा जगदलपुर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और रथयात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। गोंचा पर्व बस्तर की प्राचीन लोक परंपराओं, आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और धार्मिक उत्सवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में बस्तर की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयासों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा रथयात्रा के साथ ही बस्तर के इस अनूठे और ऐतिहासिक लोक पर्व गोंचा का विधिवत समापन हुआ।

खास-खबर

सुशासन की मिसाल बना नारायणपुर का 'सेवा सेतु'

रायपुर। डिजिटल क्रांति और त्वरित नागरिक सेवाओं के बल पर नारायणपुर का 'सेवा सेतु केंद्र' आमजनों के लिए भरोसे का सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जनहितैषी सोच और कलेक्टर के कुशल निर्देशन में संचालित इस केंद्र ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं को इतना सरल और पारदर्शी बना दिया है कि ग्रामीणों को अब सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से पूर्णत: मुक्ति मिल गई है। नारायणपुर जिले के दूरस्थ ग्राम साकड़ीबेड़ा के निवासी तेजराम भोयर को अपने पुत्र मनोज भोयर की आगे की पढ़ाई के लिए आय प्रमाण पत्र की अत्यंत आवश्यकता थी। पूर्व के अनुभवों को याद करते हुए तेजराम आशंकित थे कि प्रमाण पत्र बनवाने में हफ्तों का समय और बार-बार दफ्तरों के चक्कर काटने में पैसे बर्बाद होंगे। लेकिन जैसे ही उन्होंने अपनी अर्जी सेवा सेतु केंद्र में जमा की, उनका यह संशय दूर हो गया।

पीएम आवास हितग्राहियों के लिए सुकमा जिला प्रशासन की विशेष पहल

रायपुर। प्रशासन आपके द्वार' (या सरकार आपके द्वार / आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार) प्रशासन द्वारा चलाया जाने वाला एक लोक-कल्याणकारी अभियान है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को समय पर योजना का लाभ दिलाने के लिए सुकमा जिला प्रशासन ने विशेष पहल की है। कलेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य उन पीएम आवास हितग्राहियों की समस्याओं का मौके पर समाधान करना है, जिनके बैंक खाते में डीबीटी लिंक नहीं होने के कारण आवास योजना की किस्त अटक गई है।'प्रशासन आपके द्वार' अभियान के तहत सुकमा जिले में 25 और 26 जुलाई को विशेष डीबीटी लिंकिंग शिविर लगाए जाएंगे। सुकमा जिले की तीनों जनपद पंचायतों के 16 चयनित क्लस्टरों में इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' से हरित भविष्य का संकल्प होगा और मजबूत : केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप जगदलपुर स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव 2026 और 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' अभियान में शामिल हुए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

पौधारोपण ही भविष्य का संकल्प: वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य का संकल्प है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति हमारी भावनाओं को मजबूत करता है।

उन्होंने नागरिकों से पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार पर्यावरण संरक्षण, वन संवर्धन और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। समाज की सक्रिय भागीदारी से ही हरित छत्तीसगढ़ और समृद्ध बस्तर का सपना साकार होगा।

630 पौधों को गोद लेकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बस्तर ने रोपे गए सभी 630 पौधों को गोद लेकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली। वनमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पौधारोपण तभी सफल होगा जब लगाए गए पौधे सुरक्षित रहकर बड़े वृक्ष बनें और आने वाली पीढ़ियों को छाया, शुद्ध हवा और जीवन प्रदान करें।

हितग्राहियों को मिली आर्थिक सहायता

कार्यक्रम में वन विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को 35.98 लाख रुपए से अधिक की सहायता राशि और डमी चेक वितरित किए गए। लाभार्थियों में तेंदूपत्ता संग्राहक कल्याण योजना, प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना, मालिक मकबूजा योजना, किसान वृक्ष मित्र योजना और मानव- वन्यप्राणी द्वंद्व राहत योजना के हितग्राही शामिल रहे। इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, महापौर संजय पांडेय सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियरिंग कालेज परिवार के सदस्यों, वन विभाग के कर्मचारी और पर्यावरण संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

1.5 एकड़ क्षेत्र में 630 पौधों का रोपण

वन महोत्सव के दौरान शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर जगदलपुर के लगभग 1.5 एकड़ क्षेत्र में 630 फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। इसके बाद 'ग्रीन कैनवास' अभियान के तहत वनमंत्री सहित जनप्रतिनिधियों और अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए हस्ताक्षर किए।

द्वीप्ति योजना से छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं बन रही हैं सौर ऊर्जा उद्यमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के विस्तार को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ते हुए एक अनूठी पहल की है। द्वीप्ति योजना, अर्थात डिसेंट्रलाइज्ड वूमेन एम्पावरमेंट ऑन एनर्जी एंड पॉलिसी फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव इन्क्लूजन **(Decentralised Women Empowerment on Energy and Policy for Transformative Inclusion)**, के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में विक्रेता, तकनीशियन, उद्यमी और सेवा प्रदाता के रूप में स्थापित किया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने तकनीकी सहयोगी संस्था ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के साथ मिलकर ग्रीन इकोनॉमी ट्रांजिशन मिशन के तहत इस नीति को विकसित किया है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है जिसने महिला नेतृत्व वाली विकेंद्रीकृत अक्षय ऊर्जा नीति को अपनाया है। योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 5,000 महिला ऊर्जा उद्यम स्थापित करने, 50,000 हरित रोजगार सृजित करने तथा राज्य के पांच लाख परिवारों और 10,000 संस्थानों तक स्वच्छ ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

योजना के तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) और जिला प्रशासनों के सहयोग से 12 जिलों के 13 संकुल स्तरीय संघो (सीएलएफ) को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अधिकृत विक्रेता के रूप में पंजीकृत किया गया है। महिलाओं को सौर संयंत्रों की स्थापना, संचालन, रखरखाव और जनजागरूकता का प्रशिक्षण देकर स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित 'सोलर दीदी' तैयार की जा रही हैं, जो अपने ही क्षेत्रों में तकनीकी सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगी।

ग्रामीण उत्पादों के लिए एक्सपोर्ट ओरिएंटेशन प्रोग्राम का किया गया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री अनुपमा आनंद के मार्गदर्शन में 24 जुलाई को कृषि और संस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण रायपुर (एपीडा) संस्था एवं आनंद एजुकेशन सोसायटी रायपुर के द्वारा जिले में स्थापित फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी एवं समूह के द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पाद के विपणन एवं एक्सपोर्ट के संबंध में एक दिवसीय एक्सपोर्ट ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन जिला पंचायत महासमुंद में किया गया।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यातक विकास प्राधिकरण रायपुर द्वारा आयोजित एक दिवसीय एक्सपोर्ट ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन, सूक्ष्म लघु उद्योग एवं समूह द्वारा उत्पादित सामग्रियों, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यातकों का पंजीकरण, आरसीएमसी प्रमाण पत्र, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए उत्पादकों के मानक और गुणवत्ता और वैश्विक बाजार के बीच कड़ी के रूप में काम करने हेतु आवश्यक जानकारी साझा किया गया। जिससे उत्पाद को निर्यात करने करने से उनका अधिक मूल्य पाया जा सके। सीईओ जिला पंचायत अनुपमा आनंद द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए उनके द्वारा निर्मित उत्पादित सामग्रियों को गुणवत्ता एवं पैकेजिंग ब्रांडिंग के माध्यम से स्थानीय एवं वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने हेतु एवं विक्रय किए जाने हेतु दिए गए प्रशिक्षण का स्वयं एवं अपने आसपास के उद्यमियों को बताकर लाभ प्राप्त करने हेतु चर्चा किया गया। कार्यक्रम में एपीडा संस्था से मास्टर ट्रेनर के रूप में दिनेश सावले कृषि विकास प्रबंधक, अशोक राय कंसलटेंट एवं प्रेम आनंद राव फैसिलिटेटर तथा एफपीओ, समूह की सहभागिता रही।

स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों को प्रभावी बनाने राज्य मुख्य आयुक्त ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंग खालसा की अध्यक्षता में जिला संगठन आयुक्तों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। राज्य मुख्य आयुक्त ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान राष्ट्रगीत का गायन अनिवार्य रूप से कराया जाए तथा संगठन के अंशदान की राशि 31 अगस्त तक अनिवार्य रूप से जमा कराई जाए।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में स्काउट-गाइड दलों के प्रभावी संचालन के लिए कम से कम एक प्रशिक्षित बेसिक स्काउट मास्टर एवं एक गाइड कैप्टन का होना आवश्यक है। साथ ही राज्य स्तर से प्रत्येक जिले का नियमित दौरा कर स्काउट-गाइड गतिविधियों की समीक्षा किए जाने की जानकारी भी दी। बैठक में ओवायएमएस पंजीयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक जिले में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रत्येक विकासखंड में एक-एक समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) नियुक्त करने के निर्देश दिए गए, ताकि पंजीयन की प्रक्रिया समयबद्ध एवं सुचारु रूप से पूर्ण की जा सके। इसके साथ ही प्रत्येक जिला एवं विकासखंड स्तर पर व्यापक वृक्षारोपण अभियान आयोजित करने के निर्देश देते हुए इसमें समाज एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

संभावित बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य मुख्य आयुक्त ने सभी जिला संगठन आयुक्तों को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) एवं राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के साथ समन्वय बनाए रखने तथा जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णत: पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर स्काउट-गाइड स्वयंसेवक राहत एवं बचाव कार्यों में जिला प्रशासन का सहयोग करने के लिए सदैव तैयार रहें।

बैठक के दौरान राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंदरजीत सिंग खालसा को राष्ट्रीय वयस्क स्काउटिंग समिति का सदस्य मनोनीत किए जाने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया गया।

कांकेर पैलेस में हेरिटेज टूरिज्म को मिली नई दिशा

युवराज जयप्रताप से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की टीम और इंफ्लुएंसर्स की सार्थक चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड लगातार नवाचारपूर्ण प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में कांकेर के ऐतिहासिक कांकेर पैलेस में आज छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की टीम तथा राज्य के विभिन्न जिलों से आए डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स (इंफ्लुएंसर्स) ने कांकेर पैलेस के युवराज जयप्रताप से सौजन्य भेंट की। यह मुलाकात प्रदेश में हेरिटेज टूरिज्म को नई दिशा देने, कांकेर की ऐतिहासिक धरोहरों को व्यापक पहचान दिलाने तथा बस्तर अंचल की पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रही।

भेंट के दौरान युवराज जयप्रताप ने कांकेर रियासत के गौरवशाली इतिहास, राजमहल की स्थापत्य कला, स्थानीय संस्कृति तथा क्षेत्र की विशिष्ट परंपराओं की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कांकेर केवल ऐतिहासिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति और सांस्कृतिक विविधता के कारण भी पर्यटकों के लिए अत्यंत आकर्षक गंतव्य है। उन्होंने कहा कि विरासत स्थलों का संरक्षण और उनका प्रभावी प्रचार-प्रसार पर्यटन विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

बैठक में विशेष रूप से कांकेर और आसपास के ऐसे कम चर्चित पर्यटन स्थलों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन अभी तक वे व्यापक स्तर पर पर्यटकों की पहुंच से दूर हैं। इन स्थलों को डिजिटल माध्यमों के जरिए देश-विदेश के यात्रियों तक पहुंचाने, उनकी विशिष्टताओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने तथा उन्हें पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए अनेक सुझाव सामने आए। यह भी विचार किया गया कि प्राकृतिक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन और विरासत पर्यटन को एकीकृत रूप से विकसित कर कांकेर को एक बहुआयामी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सकता है। राज्य के विभिन्न जिलों से आए डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के कम चर्चित लेकिन अत्यंत मनोहारी पर्यटन स्थलों, स्थानीय लोक संस्कृति, जनजातीय जीवन, पारंपरिक कला, खान-पान और प्राकृतिक सौंदर्य को रचनात्मक वीडियो, फोटोग्राफी और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के माध्यम से देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय समुदायों को भी प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिलेगा। बैठक के दौरान हेरिटेज टूरिज्म को बढ़ावा देने, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा पर्यटन आधारित रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। इंफ्लुएंसर्स ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके डिजिटल मंचों के माध्यम से कांकेर और समूचे बस्तर अंचल की अनूठी पर्यटन पहचान लाखों लोगों तक पहुंचेगी।

सेवा सेतु पहल से आसान हुई शासकीय सेवाओं की पहुंच, समय पर मिला आय प्रमाण-पत्र

सक्ती। छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु पहल ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों तक शासकीय सेवाओं की सहज, त्वरित एवं पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इस पहल के माध्यम से विभिन्न प्रमाण-पत्रों एवं अन्य आवश्यक शासकीय सेवाओं का लाभ नागरिकों को समयबद्ध तरीके से मिल रहा है। अब लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार शासकीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उनके समय और धन दोनों की बचत हो रही है। इसी क्रम में सक्ती जिले के जैजैपुर निवासी राजू लहरे ने अपने पुत्र श्री योगेश लहरे के लिए सेवा सेतु केंद्र, तहसील जैजैपुर में आय प्रमाण-पत्र बनवाने हेतु आवेदन किया।

खास खबर

रेलवे ट्रैक पार करते समय मालगाड़ी की चपेट में आया किसान, हालत गंभीर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला थाना क्षेत्र के तरई गांव में रविवार सुबह एक किसान के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। खेत जाने के दौरान रेलवे ट्रैक पार करते समय वह मालगाड़ी की चपेट में आ गया। हादसे में किसान का एक पैर घुटने के नीचे से कटकर अलग हो गया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जेल भवन के पीछे स्थित तरई गांव निवासी मंगल सिंह रविवार सुबह अपने खेत की ओर जा रहे थे। खेत तक पहुंचने के लिए वह रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनका एक पैर घुटने के नीचे से कटकर अलग हो गया और वे ट्रैक से दूर जा गिरे।

अंबिकापुर में 15 वर्षीय छात्र की हत्या का मामला

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र ग्राम सलका निवासी 15 वर्षीय वीरेंद्र कंवर गुरुवार शाम घर से खेलने की बात कहकर निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार सुबह टिहरी जंगल में योग करने पहुंचे लोगों ने एक किशोर का शव पड़ा देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि छात्र के चेहरे को भारी पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या की गई है। शव पर अन्य चोटों के भी निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका और मजबूत हो गई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हत्या के कारणों और आरोपियों का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

कैंसर ठीक करने के नाम पर महिला से 13 लाख की ठगी

बालोद। जिले के गुंडरदेही ब्लॉक के ग्राम सिर्री निवासी एक महिला से कैंसर का इलाज और विशेष पूजा-अनुष्ठान के नाम पर 13.13 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि शातिर ठगों ने पहले उसके पति की गंभीर बीमारी का फायदा उठाकर बड़ी रकम ऐंठी, फिर ब्लैकमेल कर दस्तावेज और फोटो भी हासिल कर लिए। लगातार मानसिक प्रताड़ना से परेशान महिला ने रनचिरई थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बैंक ट्रांजैक्शन और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रेमी की मौत की खबर मिलते प्रेमिका ने लगाई फांसी

जिस पेड़ पर लटका था प्रेमी, 2 दिन बाद उसी पर फंदे से झूली प्रेमिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम धाराशिव में प्रेमी-प्रेमिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। विष्णुकांत पुरी (40) शादीशुदा था। उसका लीलाबाई सूर्यवंशी (27) से प्रेम संबंध था। साथ रहने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद युवती ने उसके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

इस घटना के बाद प्रेमी ने पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दो दिन बाद लीलाबाई को इसकी जानकारी मिली तो उसने भी उसी जगह फंदा लगाकर जान दे दी। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने दोनों के शव बरामद कर लिए हैं। दोनों के बीच 1 साल से अफेयर था। विष्णुकांत चार बच्चों का पिता था।

एक साल से अधिक समय से था प्रेम संबंध

विष्णुकांत पुरी (40) और लीलाबाई सूर्यवंशी (27) धाराशिव गांव में रहते थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच पिछले एक वर्ष से अधिक समय से प्रेम संबंध था। पुलिस के मुताबिक, विष्णुकांत पहले से शादीशुदा था और उसके चार बच्चे हैं।

जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों के संबंधों को लेकर अक्सर विवाद होता था। जानकारी के अनुसार, लीलाबाई कई बार विष्णुकांत के घर गई थी, जहां उसकी पत्नी के साथ विवाद और मारपीट की घटनाएं भी हुई थीं।

20 जुलाई को दर्ज कराई थी शिकायत

पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई को लीलाबाई ने विष्णुकांत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद जब पुलिस युवक के घर पहुंची तो वह वहां से फरार मिला। इसके बाद से वह लापता था। उसके बाद विष्णुकांत ने लगभग 20 जुलाई को ही खेत में पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी थी। जब उसका शव मिला, तब तक वह काफी हद तक सड़-गल चुका था।

प्रेमी की मौत की जानकारी मिलने के बाद पहुंची युवती

23 जुलाई को जब लीलाबाई को विष्णुकांत की मौत की जानकारी मिली तो वह उसी खेत में पहुंची। इसके बाद उसने भी कथित तौर पर उसी पेड़ की डाल पर फंदा लगाकर अपनी जान दे दी।

सूचना पर पामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

दोनों मामलों की जांच जारी

पामगढ़ थाना पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

15 साल से दुबई में ड्राइवरी कर रहा था टिकट-दलाल

22 साल पुराने केस में किया सरेंडर, रेलवे कोर्ट ने सुनाई सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रेलवे टिकट दलाली के 22 साल पुराने मामले में फरार चल रहे आरोपी ने रेलवे कोर्ट रायपुर में सरेंडर कर दिया। आरोपी पिछले 15 साल से दुबई में रहकर ड्राइवरी का काम कर रहा था। उसके खिलाफ साल 2012 से स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी था। आरपीएफ दुर्ग की लगातार कार्रवाई, परिवार से संपर्क और समझाइश के बाद आरोपी भारत लौटा और शुक्रवार को अपने वकील के साथ विशेष रेलवे न्यायालय रायपुर में पेश हुआ।

आरपीएफ के मुताबिक रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट दुर्ग में साल 2004 में रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत टिकट दलाली का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में तिजेंदर सिंह उर्फ टिंकू (46) निवासी लक्ष्मी नगर, सुपेला के खिलाफ विशेष रेलवे न्यायालय रायपुर ने 18 अप्रैल 2012 को स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

लंबे समय तक आरोपी के नहीं मिलने से वारंट लंबित था। आरपीएफ की टीम जब वारंट में दर्ज पते पर पहुंची तो पता चला कि आरोपी वहां नहीं रहता है। जांच के दौरान मुखबिर से जानकारी मिली कि वह कई साल पहले पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला स्थित अपने गांव चला गया था।

इसके बाद आरपीएफ की टीम बटाला पहुंची और उसके घर पर पूछताछ की। आरोपी के माता-पिता और पत्नी ने टीम को बताया कि, तिजेंदर सिंह पिछले करीब 15 साल से दुबई में रहकर ड्राइवर की नौकरी कर रहा है। इसके बाद आरपीएफ ने परिवार को वारंट की प्रति और नोटिस सौंपा। साथ ही आरोपी और उसके परिजनों से लगातार संपर्क बनाए रखा गया।

उन्हें समझाया गया कि अदालत में पेश होकर कानूनी प्रक्रिया पूरी करें। इसके बाद आरोपी दुबई से भारत लौट आया। 24 जुलाई को वह अपने वकील के साथ विशेष रेलवे न्यायालय रायपुर में पेश हुआ। अदालत में उसने स्वीकार किया कि वारंट और नोटिस में दर्ज नाम और पता उसी का है। साथ ही उसने अपने खिलाफ दर्ज अपराध भी स्वीकार कर लिया।

अदालत ने आरोपी को एक दिन की टीआरसी की सजा सुनाई और 5 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया। जुर्माना भरने के बाद मामले का निपटारा कर दिया गया।

रायपुर में एमबीए छात्र से एक्सप्रेस-वे पर आधी रात लूट, पुलिस ने शुरू की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में आधी रात एक्सप्रेस-वे पर एमबीए छात्र से लूट की वारदात सामने आई है। दो बदमाशों ने डंडे से हमला कर छात्र से करीब 80 हजार रुपए का मोबाइल लूट लिया। मारपीट में घायल छात्र किसी तरह जान बचाकर मौके से भागा। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के मुताबिक, गीतांजली नगर निवासी सितांशु मिश्रा (26) एमबीए करने के बाद कंस्ट्रक्शन का काम करता है। 23 जुलाई की रात वह अपने दोस्त इंद्रजीत माहाडिक के साथ तेलीबांधा मरीन ड्राइव स्थित चौपाटी में खाना खाने गया था। वहां से वह इलेक्ट्रिक ओला स्कूटी से दोस्त को देवपुरी स्थित घर छोड़कर वापस अपने घर लौट रहा था।

रात करीब 12:30 बजे अमलीडीह बीएसयूपी कॉलोनी के पास एक्सप्रेस-वे रोड पर पेड़ के नीचे अंधेरे में छिपे दो युवक अचानक उसके सामने आ गए। दोनों के हाथ में डंडे थे। स्कूटी रुकते ही आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया और डंडों से मारपीट शुरू कर दी।

मारपीट के बाद मोबाइल लूटकर फरार

हमले के दौरान बदमाशों ने सितांशु की शर्ट की जेब में रखा करीब 80 हजार रुपए कीमत का मोबाइल छीन लिया। छीना-झपटी में उसकी शर्ट भी फट गई। लगातार हमले के बीच युवक किसी तरह स्कूटी लेकर वहां से भाग निकला और अपनी जान बचाई।

घटना के बाद पीड़ित पहले तेलीबांधा थाना पहुंचा। वहां से घटनास्थल न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में होने के कारण उसे संबंधित थाने भेजा गया। मारपीट में उसके बाएं हाथ, सिर और पीठ पर चोटें आई हैं।

उसने न्यू राजेंद्र नगर स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज कराया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट और मारपीट का मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पेड़ पर लटकी मिली युवक की लाश, मां बोली- हत्या है

कोरबा। एक माह पहले पेड़ पर लटकते मिली युवक की लाश के मामले में मृतक की मां ने हत्या का संदेह जता प्रेमिका के परिजन पर आरोप लगाया है। उरगा थाना के कनबेरी गांव में 17 जून को 25 वर्षीय शंकर सिंह लापता हो गया था। अगले दिन पुलिस को गुम होने की सूचना दी गई। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर उसके घर से 100 मीटर दूर उसकी लाश बरामद की थी। मामले में अब मृतक शंकर की मां नीरा बाई रोहिदास ने हत्या का संदेह जताते हुए प्रेमिका के परिजनों पर आरोप लगाया है। पुलिस को दिए आवेदन में नीरा बाई ने बताया कि शंकर का 4 साल से एक युवती से प्रेम संबंध था। शादी का प्रस्ताव ठुकराने के बाद युवती के परिजनों ने घटना से एक दिन पहले घर आकर शंकर को जान से मारने की धमकी दी थी।

पति ने मांगा तलाक, पत्नी ने की दो करोड़ की डिमांड, हाईकोर्ट बोला- मानसिक क्रूरता

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शादी के करीब 2 साल बाद पति-पत्नी के रिश्ते में दरार आ गई। तलाक के मामले में मध्यस्थता के दौरान पत्नी ने स्थायी भरण-पोषण के लिए पति से 2 करोड़ रुपए की डिमांड कर दी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इस अत्यधिक मांग को पति के प्रति मानसिक क्रूरता माना है।

रायपुर निवासी दंपती की शादी 29 जून 2020 को हुई थी, लेकिन शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के रिश्ते बिगड़ गए। पति का आरोप था कि पत्नी 7 फरवरी 2022 को अपने भाई की शादी का बहाना बनाकर मायके गई और करीब 35 लाख रुपए मूल्य के पुश्तैनी जेवर व अन्य कीमती सामान साथ ले गई।

इसके बाद महिला थाना और सखी सेंटर में हुई काउंसलिंग के बावजूद उसने वापस लौटने से इनकार कर दिया। इसके बाद पति

ने फैमिली कोर्ट में हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक की अर्जी लगाई।

फैमिली कोर्ट ने पति की आय और पत्नी की शैक्षणिक योग्यता को ध्यान में रखते हुए 10 लाख रुपए का स्थायी गुजारा भत्ता तय किया था। इस फैसले के खिलाफ महिला ने हाईकोर्ट में अपील की थी। इसमें उसने गुजारा भत्ता बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए देने की मांग की।

हाईकोर्ट ने 18 जून 2026 को दोनों पक्षों को आपसी सहमति से स्थायी गुजारा भत्ते की राशि तय करने के लिए मध्यस्थता केंद्र भेजा था। सुनवाई के दौरान सामने आया कि मध्यस्थता के दौरान पत्नी ने एकमुश्त 2 करोड़ रुपए की मांग रखी।

पति ने अपनी वित्तीय स्थिति और व्यावसायिक खातों का ब्योरा देते हुए इस राशि को अत्यधिक बताया और इसे देने में असमर्थता जताई, इसके कारण दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं हो सका।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि अलग रहने के दौरान पत्नी ने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा कानून के तहत केस दर्ज कराया और मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर फर्जी प्रोफाइल बनाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर भी दर्ज कराई।

साथ ही कहा कि साक्ष्यों से स्पष्ट है कि पति और उसके परिजनों के बार-बार आग्रह के बावजूद पत्नी ने उनके साथ रहने से लगातार इनकार किया था। बता दें कि इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने की।

रायपुर में 24 घंटे में अपराध के 13 मामले दर्ज

दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण से लेकर चाकूबाजी तक घटनाएं

रायपुर। राजधानी रायपुर में 24 और 25 जुलाई के बीच अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अपराध के कई मामले दर्ज किए गए। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार पुरानीबस्ती और आजाद चौक थाना क्षेत्र में 15 और 16 साल की दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण के मामले सामने आए हैं। उरला, खम्हारडीह, गुढ़ियारी, टिकरापारा और सरस्वती नगर क्षेत्र में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के मामले दर्ज हुए हैं। 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अज्ञात आरोपी द्वारा ले जाने की शिकायत पर अपराध दर्ज किया गया। इसी तरह आजाद चौक थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय लड़की के अपहरण का मामला दर्ज हुआ है। दोनों मामलों में पुलिस ने गुम इंसान की जांच के बाद अपहरण की धाराओं में अपराध कायम किया है।

उरला थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया। वहीं गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में कैमरा चोरी के विवाद को लेकर युवक से गाली-गलौज कर रॉड और हाथ-मुक्के से मारपीट करने की शिकायत दर्ज हुई।

टिकरापारा थाना क्षेत्र में अलग-अलग तीन मामलों में मारपीट और धमकी की शिकायतें सामने आईं। इनमें शराब की बोतल से हमला करने, पुरानी रंजिश के चलते विवाद और नाबालिग से मारपीट का मामला शामिल है। इस तरह रायपुर पुलिस के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अपहरण, मारपीट, धमकी, सड़क पर लापरवाही से वाहन खड़ा करने और अवैध हथियार रखने से जुड़े कुल 13 मामलों में कार्रवाई दर्ज की गई है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No.:- 07749-222370, Email Id:- ee-res.balod@gov.in

(ई-निविदा (Zonal Tender) सूचना

क्रमांक/09/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2026-27 बालोद, दिनांक 23.07.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा (Zonal Tender) हेतु जनपद पंचायत (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र हेतु) बालोद, गुरूर एवं डौण्डीलोहारा (अ), (ब) एवं (स) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित तथा सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 20.04.2026 एवं नलकुप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 31.07.2026 तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है अत: अमानत राशि सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज स्पीड पोस्ट के माध्यम से इस कार्यालय में दिनांक 03.08.2026 को कार्यालयीन समय अपरान्ह 5.30 बजे तक पहुंचना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 04.08.2026 को 11.30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी:-

(1) निविदा राशि रू. 30.00 लाख एवं 35.00 लाख प्रत्येक ग्रुप हेतु

(2) अमानत राशि रू. 30000.00 एवं 35000.00 प्रत्येक ग्रुप हेतु

(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य :- रू. 1500.00 प्रत्येक ग्रुप हेतु

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 23/07/2026 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

कार्यापालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला - बालोद (छ.ग.)

जी-262702349/7

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रंमाक/चार/रा.वि/2026/1390/148 भिलाई, दिनांक/17/07/2026

-::फ्री-होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना ::-

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर जिला रायपुर के आदेश कमांक एफ-8-5/2022/18 के सम संख्यक आदेश दिनांक 06.07.2022 द्वारा नगरीय निकायों के स्वयं के आधिपत्य/स्वामित्व के लीज होल्ड पर आवंटित आवासीय/व्यवसायिक (भवनों/फ्लैट्स/भू-खण्डों/परिसर/दुकानों) को संबंधित नगरीय निकायो राजस्व विभाग से विधिवत भू-स्वामित्व प्राप्त होने पर फ्री-होल्ड के रूप में संपरिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है ।

फ्री होल्ड के रूप में सपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखण्ड धारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय मे आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री-होल्ड के रूप संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध मे किसी प्रकर की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क.	पट्टाधारी का नाम पिता/पति का नाम	योजना का नाम	ब्लॉक क./भूखण्ड क.	आकार
1.	राजेश कुमार अग्रवाल आ0 ओमप्रकाश अग्रवाल	पं0 दीनदयाल उपाध्याय मार्केट खुर्सीपार गेट व्यवसायिक व्यव0	12/07	18 व0मी0
2.	वृज विहारी दुबे आ0 स्व0 भवसागर दुबे	जोन-02 खुर्सीपार आवासीय व्यवस्थापन	भूखण्ड सर्वे कमांक 663	69.60 व0मी0
3.	ईश्वरचंद आ0 वृज विहारी दुबे	जोन-02 खुर्सीपार आवासीय व्यवस्थापन	भूखण्ड सर्वे कमांक 862	56.55 व0मी0
4.	श्री आशीष भसीन पिता श्री विघाप्रकाश भसीन	सब्जी मार्केट केम्प 02 व्यवसायिक व्यवस्थापन	दुकान कमांक 175	180 व0फु0
5.	श्री विघाप्रकाश भसीन पिता स्व0 मेघराज भसीन	सर्कुलर मार्केट केम्प 02 भिलाई व्यवसायिक व्यवस्थापन	01/07 एवं 08	240 व0फु0
6.	श्रीमती चन्द्रकांती तिवारी पति श्री दयाशंकर तिवारी	लक्ष्मी नगर सब्जी मण्डी व्यवसायिक योजना भिलाई	17/12	64 व0फु0
7.	श्रीमती श्वेता त्रिपाठी पति श्री जितेन्द्र त्रिपाठी	लक्ष्मी नगर सब्जी मण्डी व्यवसायिक योजना भिलाई	01/28	19.50 व0मी0
8.	श्री अनुज मदान पिता स्व. डॉ. एम.एस. मदान	मो0 नं0 नगर पूर्व आवासीय योजना	43/01	360 व0मी0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम
भिलाई

NAME CHANGE

It is informed to the General Public that I, **RAMADHIN** S/o **KISHORE VISHWAKARMA**, Resident of : H. No. CG-1064, Pragati Nagar, Kurud, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490024 have changed my old name to new name **RAMADHIN VISHWAKARMA** S/o **KISHORE VISHWAKARMA** so that I should be recognized by my new name that is **RAMADHIN VISHWAKARMA** S/o **KISHORE VISHWAKARMA** in all Government and other documents.

RAMADHIN
H. No. CG-1064, Pragati Nagar, Kurud, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490024

NAME CHANGE

It is informed to the General Public that I, **DAVENDAR KUMAR** S/o **RAMADHIN**, Resident of : H. No. CG-1064, Pragati Nagar, Kurud, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490024 have changed my old name to new name **DEVENDRA VISHWAKARMA** S/o **RAMADHIN VISHWAKARMA** so that I should be recognized by my new name that is **DEVENDRA VISHWAKARMA** S/o **RAMADHIN VISHWAKARMA** in all Government and other documents.

DAVENDAR KUMAR
H. No. CG-1064, Pragati Nagar, Kurud, Bhilai. Distt-Durg (C.G.) 490024

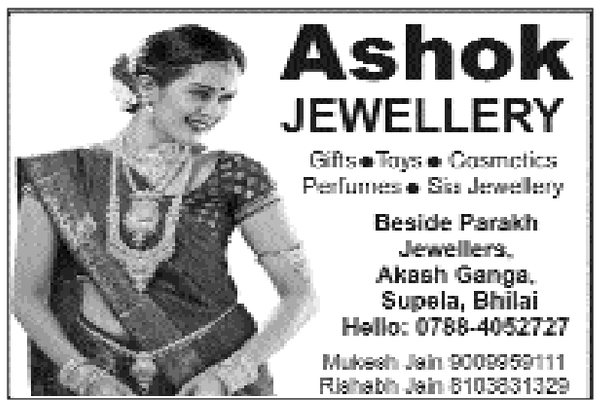

मुख्यमंत्री साय ने सत्य साई ग्राम के सेवा मॉडल को बताया जनकल्याण का प्रेरक उदाहरण

शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर हुई सार्थक चर्चा, छत्तीसगढ़ में सेवाओं के विस्तार पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कर्नाटक के सत्य साई ग्राम, मुद्देनहल्ली का दौरा कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित समग्र सेवा मॉडल का अवलोकन किया। उन्होंने वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के संस्थापक सद्गुरु मधुसूदन साई से भेंट कर छत्तीसगढ़ में जनकल्याणकारी सेवाओं के विस्तार, विशेष रूप से नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और मूल्य आधारित शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का आधार केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित समाज है। राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को सुशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखते हुए अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं के अनुभव, नवाचार और सेवा भावना से जनकल्याण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, रायपुर द्वारा पूर्णत: नि:शुल्क बाल हृदय शल्य चिकित्सा (पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी) के माध्यम से हजारों बच्चों को नया जीवन देने के कार्य की मुख्यमंत्री ने विशेष सराहना की। उन्होंने इसे मानवता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए अस्पताल के विस्तार, मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल की स्थापना तथा भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री साय मूल्य आधारित शिक्षा पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में विश्व के लगभग 25 देशों से आए 100 से अधिक शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आधुनिक शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, सेवा, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी आधार होनी चाहिए। मूल्य आधारित शिक्षा ही संवेदनशील नागरिकों और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती है।

मुख्यमंत्री ने श्री सत्य साई अन्नपूर्णा ट्रस्ट द्वारा संचालित साईश्योर न्यूट्रास्यूटिकल्स इकाई का भी अवलोकन किया। साईश्योर मल्टी-न्यूट्रिएंट हेल्थ मिक्स के माध्यम से देश के 25 राज्यों एवं 4 केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग एक करोड़ बच्चों तक पोषण सहायता पहुंचाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ के विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में ऐसे नवाचारों के माध्यम से बच्चों के पोषण स्तर को और बेहतर बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ के लगभग 300 युवाओं को यहां नर्सिंग शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ सेवा भाव से प्रेरित दक्ष स्वास्थ्य मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार और वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के बीच सहयोग से स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के क्षेत्रों में नई संभावनाएं विकसित होंगी तथा समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का दायरा और अधिक व्यापक होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे सभी प्रयासों का स्वागत करती है, जो सेवा, संवेदना और सुशासन के माध्यम से जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वन महोत्सव का किया शुभारंभ

पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील की, बैगाकापा से हरित अभियान की शुरुआत, 'वृक्ष मित्र वाहन' को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जनआंदोलन बनाने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान 3.0 का शुभारंभ लोरमी विकासखण्ड के ग्राम बैगाकापा में किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कल्पवृक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने 'वृक्ष मित्र वाहन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन गॉवों-शहरों में जाकर नीबू, मुनगा, बिही, जामुन आदि के पौधे वितरित कर नागरिकों को पौधारोपण के लिए प्रोत्साहित करेगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चुनौती है और इससे निपटने के लिए वृक्षारोपण के साथ वर्षा जल का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। प्रकृति के संतुलन के लिए पेड़, पानी और पर्यावरण का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौती का उल्लेख करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रेरित किया, ताकि ग्रीष्मकाल में जल संकट से बचा जा सके।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, ग्रामीणों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कलेक्टर कुन्दन कुमार, वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय और जिला पंचायत के सीईओ गोकुल रावटे के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामीणजन और स्कूली बच्चे बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

राज्यपाल डेका से निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने की भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से यहां लोकभवन में राज्य के निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की।

इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना से संबंधित प्रावधानों पर राज्यपाल से विचार-विमर्श किया। श्री डेका ने राज्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के विस्तार के सबंद्ध में अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति गजराज पगारिया, श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई दुर्ग के कुलाधिपति आईपी मिश्रा, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलाधिपति सुशील चंद्राकर, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति डॉ. संदीप अरोड़ा, आईएसबीएम विश्वविद्यालय, गरियाबंद और रायपुर के कुलपति डॉ. आनंद महलवार, अंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति अभिषेक अग्रवाल, दावड़ा विश्वविद्यालय रायपुर के सीईओ चिन्मय दावड़ा, कोलंबिया विश्वविद्यालय रायपुर के प्रो. कुलाधिपति हरजीत सिंह हूरा उपस्थित थे।

बिलासपुर संभागायुक्त ने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

मेडिकल कॉलेज भवन, छात्रावास, ऑडिटोरियम सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर संभागायुक्त सुनील जैन ने जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम कुटरा स्थित निर्माणाधीन शासकीय मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज भवन, ऑडिटोरियम, छात्रावास, पहुंच मार्ग सहित निर्माणाधीन अधोसंरचनाओं का अवलोकन करते हुए निर्माण कार्यों में गुणवत्तापूर्ण सामग्री के उपयोग और निर्धारित तकनीकी मानकों के पालन के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त जैन ने सीजीएमएससी के नोडल अधिकारियों से मेडिकल कॉलेज परियोजना की प्रगति, विभिन्न भवनों के निर्माण तथा अन्य

अधोसंरचनात्मक कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परियोजना की समय-सीमा की समीक्षा करते हुए संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में सभी तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में विद्यार्थियों एवं मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया। संभागायुक्त सुनील जैन ने पीपल तथा कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आम का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076: सीसी रोड बनने से ग्रामीणों को मिली राहत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान किया जा रहा है। जिले में एक बार फिर हेल्पलाइन की संवेदनशील कार्यप्रणाली का सकारात्मक परिणाम सामने आया, जब मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के ग्राम दाउकापा में एक शिकायत के आधार पर खोदी गई सड़क को पुन: बहाल कर ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। ग्राम दाउकापा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया गया था। कार्य के दौरान वार्ड क्रमांक-13 में सड़क खोदकर पाइपलाइन तो डाल दी गई, सड़क की मरम्मत नहीं होने से मार्ग पूरी तरह जर्जर हो गया।

जमीन पर बैठकर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सुनी ग्रामीणों की बात, विकास कार्यों की दी सौगात

छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही-विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के अपने विधानसभा क्षेत्र के सहसपुर लोहारा विकासखंड अंतर्गत ग्राम भेंड्रा नवागांव और पीरचाटोला में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रमों में शामिल होकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने अपने चिरपरिचित अंदाज में ग्रामीणों के बीच जमीन में बैठकर उनकी समस्याएं और मांगें सुनीं तथा कई मांगों पर मौके पर ही स्वीकृति और घोषणाएं करते हुए विकास कार्यों की सौगात दी।

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम भेंड्रा नवागांव में आयोजित कार्यक्रम से ग्राम बोटेसुर से नवागांव तक एक करोड़ रुपए से अधिक की लागत से सड़क निर्माण कराने की घोषणा की। वहीं ग्राम पीरचाटोला में 5.20 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण तथा वीबीजीरामजी योजना के तहत पुलिया निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृत कराने की घोषणा की।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है और विकास कार्यों के लिए निरंतर स्वीकृति दी जा रही है। उन्होंने बताया कि भेंड्रा नवागांव, बोटेसुर के गांवों में सामुदायिक भवन, सीसी रोड, बोर खनन, रंगमंच, आहता निर्माण तथा आंतरिक विद्युतीकरण जैसे अनेक कार्य पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सूरजपुरा पंचायत में 51 लाख रुपये की लागत से मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक स्टेडियम में नियमित खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हों तथा आसपास के 15 से 20 गांवों के युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि युवाओं को सकारात्मक दिशा मिल सके।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सूरजपुरा और धनौरा सहित क्षेत्र में कई सड़कों का निर्माण कराया गया है। उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण मानको के अनुरूप होना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि पीरचाटोला में 40, सूरजपुरा में 57, पेण्ड्रातराई में 61, बैगापारा में 65 तथा बोटेसुर में 75 आवास स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के गठन के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई थी और बीते ढाई वर्षों में 11 लाख आवासों का निर्माण पूरा किया जा चुका है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूह डेयरी, दुग्ध उत्पादन और अन्य स्वरोजगार गतिविधियों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। यदि समूह कार्ययोजना बनाकर आगे आते हैं तो शासन हर संभव सहयोग करेगा।

उन्होंने क्षेत्र में जैविक खेती की व्यापक संभावनाओं का उल्लेख करते हुए किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि केवल भवन और सड़क निर्माण ही विकास नहीं है, बल्कि गांव की आर्थिक गतिविधियों, कृषि, व्यापार और रोजगार को बढ़ावा देना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने बस्तर, कोंडागांव और नारायणपुर के वनांचल क्षेत्रों का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां किसान बिना रासायनिक खाद के सफलतापूर्वक जैविक खेती कर रहे हैं और बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं।

विद्युत व्यवस्था पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बेहतर व्यवस्था के लिए गांव और खेतों के फीडर अलग करने का कार्य कराया गया है। साथ ही पुराने बकाया बिजली बिलों का भी शासन की योजनाओं के माध्यम से समाधान किया जा रहा है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता संतोष मिश्रा, जनपद अध्यक्ष दुर्गा पटेल, जनपद उपाध्यक्ष अशोक पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता कोरबा

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अपनाकर मंत्री लखनलाल देवांगन बने सौर ऊर्जा के प्रेरक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाली इस योजना के माध्यम से कोरबा जिले के अनेक परिवार स्वच्छ ऊर्जा को अपनाते हुए बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बनने की दिशा में अग्रसर हैं। इससे उन्हें बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देने का अवसर मिल रहा है।

इसी क्रम में प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम एवं आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने भी अपने कोहड़िया स्थित निवास पर योजना के अंतर्गत 10 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित

कराया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने तथा पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से उन्होंने अपने निवास पर सोलर संयंत्र स्थापित कराया है।

मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि सोलर पैनल स्थापित हुए लगभग एक माह हो चुका है और इसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। इससे न केवल आर्थिक बचत हो रही है, बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सब्सिडी के कारण सोलर संयंत्र स्थापित करना आम नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक और लाभकारी बन गया है।

उन्होंने बताया कि घरेलू उपयोग के बाद बची हुई अतिरिक्त बिजली विद्युत वितरण कंपनी के ग्रिड में भेजी जाएगी, जिससे भविष्य में अतिरिक्त आय प्राप्त होने की भी संभावना रहेगी। मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रदेश एवं कोरबा जिले के नागरिकों से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल एक योजना नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता का जनआंदोलन है।

यह लोगों को केवल बिजली उपभोक्ता नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादक बनने का अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने नागरिकों से सोलर ऊर्जा अपनाकर स्वच्छ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

उन्होंने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की प्रतिबद्धता के कारण प्रदेश में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई गति मिल रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950